PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 180 ● भिलाई, गुरुवार 22 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में 21 जगहों पर ईडी की छापेमारी

तिरुवनंतपुरम। प्रवर्तन निदेशालय ने सबरीमाला सोने की चोरी के मामले में कथित मनी लॉन्ड्रिंग एंगल की जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में 21 जगहों पर एक साथ छापेमारी की गई। इस मामले में कुल मिलाकर, एसआईटी ने अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए सभी लोग इस वक्त ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं। ईडी की यह तलाशी ऐसे समय में हो रही है जब केरल हाई कोर्ट की देखरेख में काम कर रही एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) मंदिर से सोने की कथित हेराफेरी की समानांतर आपराधिक जांच जारी रखे हुए है। ईडी ने मुख्य आरोपियों के घरों पर तलाशी शुरू की, जिनमें पहले आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी, सीपीआई(एम) नेता मुरारी बाबू, ए पद्मकुमार और एन वासु शामिल हैं।

आतंकवाद से निपटने के लिए भारत ने इस देश से मांगी मदद

नई दिल्ली। पोलैंड के उपप्रधानमंत्री रादोस्लाव सिकोर्स्की ने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत के सामने सीमा पार आतंकवाद की चुनौतियों पर जोर दिया। उन्होंने पोलैंड से आतंकवाद के लिए जीरो टॉलरेंस दिखाने और भारत के पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद न करने की अपील की। मीटिंग के दौरान अपनी शुरुआती बातचीत में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि भारत और पोलैंड के बीच रिश्ते लगातार आगे बढ़े हैं, हालांकि लगातार ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, उपप्रधानमंत्री आप हमारे इलाके के लिए अनजान नहीं हैं और क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म की लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मुझे उम्मीद है कि इस मीटिंग में इस इलाके की आपकी हाल की कुछ यात्राओं पर चर्चा होगी। पोलैंड को आतंकवाद के लिए जीरो टॉलरेंस दिखाना चाहिए और हमारे पड़ोस में आतंकवाद को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए।

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच गोलीबारी में एक जवान शहीद

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच जारी मुठभेड़ ने गंभीर रूप ले लिया है। सिंहपोरा इलाके में भीषण गोलीबारी में देश ने अपना एक वीर जवान खो दिया, जबकि सात अन्य जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। इस शहादत के बाद सुरक्षाबलों ने अपनी कार्रवाई और तेज कर दी है और पाकिस्तान समर्थित आतंकियों को चारों तरफ से घेर रखा है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को चतरू बेल्ट के मंदराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर यह ऑपरेशन शुरू किया गया था। इलाके की भौगोलिक स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है।

केन्द्र सरकार ने लिया बड़ा फैसला

2031 तक के लिए बढ़ी अटल पेंशन योजना की समयसीमा....

नई दिल्ली/ एजेंसी

आर्थिक मोर्चे पर मोदी सरकार ने बुधवार को दो बड़े और दूरगामी फैसले लिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जहां एक ओर आम आदमी की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 'अटल पेंशन योजना' (एपीवाई) को 2030-31 तक विस्तार दिया गया है, वहीं दूसरी ओर रोजगार सृजन और लघु उद्योगों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) में 5,000 करोड़ रुपये की पूंजी डालने को मंजूरी दी गई है। ये फैसले असंगठित क्षेत्र के कामगारों के भविष्य को सुरक्षित करने और छोटे उद्योगों को सस्ती दरों पर ऋण मुहैया कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कैबिनेट ने सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना, अटल पेंशन योजना को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। इस विस्तार के साथ ही योजना के प्रचार, विकासात्मक गतिविधियों और 'गैप फंडिंग' के लिए वित्तीय सहायता को भी स्वीकृति मिली है। योजना का दायरा: 9 मई 2015 को शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को बुढ़ापे में आय की सुरक्षा प्रदान करना है। सफलता के आंकड़े: 19 जनवरी 2026 तक इस योजना के तहत 8.66 करोड़ से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। पेंशन लाभ: इस योजना के तहत, अंशदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु के बाद 1,000 रुपये से 5,000 रुपये प्रति माह की गारंटीड न्यूनतम पेंशन मिलती है। जागरूकता पर जोर: सरकार विकासात्मक गतिविधियों के जरिए असंगठित श्रमिकों के बीच जागरूकता और क्षमता निर्माण का विस्तार करेगी। सिडबी में 5,000 करोड़ की पूंजी: एमएसएमई के लिए बूस्टर डोज- लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को राहत देते हुए सरकार ने सिडबी को 5,000 करोड़ रुपये की इक्विटी सहायता देने का फैसला किया है। यह पूंजी वित्तीय सेवा विभाग यानी डीएफएस की ओर से अलग-अलग तीन किस्तों में दी जाएगी। निवेश का खाका: सरकार वित्त वर्ष 2025-26 में 3,000 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2026-27 व 2027-28 में क्रमश: 1,000-1,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। सस्ता कर्ज: इस अतिरिक्त पूंजी से सिडबी उचित ब्याज दरों पर संसाधन जुटा सकेगा, जिससे एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी लागत पर ऋण का प्रवाह बढ़ेगा। 1.12 करोड़ नई नौकरियों की उम्मीद: इस फैसले का सबसे बड़ा असर रोजगार के मोर्चे पर देखने को मिलेगा। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस इक्विटी निवेश से 1.12 करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। लाभार्थियों में वृद्धि: वित्तीय वर्ष 2025 के अंत तक 76.26 लाख एमएसएमई को वित्तीय सहायता मिल रही थी, जिसके वित्तीय वर्ष 2028 के अंत तक बढ़कर 102 लाख होने की उम्मीद है। नए उद्यमी: इस कदम से लगभग 25.74 लाख नए एमएसएमई लाभार्थी जुड़ेंगे, जिससे जमीनी स्तर पर आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। बुधवार को लिए गए ये फैसले संकेत देते हैं कि सरकार का फोकस सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास के दोहरे एजेंडे पर है।

इसके अलावा एमएसएमई के लिए बड़ा फैसला लिया

इसके अलावा, कैबिनेट ने एमएसएमई सेक्टर को राहत देने के लिए सिडबी को 5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी सहायता देने को भी मंजूरी दी है। यह राशि वित्तीय सेवा विभाग के जरिए तीन चरणों में दी जाएगी- वित्त वर्ष 2025-26 में 3,000 करोड़ रुपए, जबकि 2026-27 और 2027-28 में 1,000-1,000 करोड़ रुपए। इस पूंजी से सिडबी अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत कर सकेगा और एमएसएमई को ज्यादा मात्रा में सस्ता कर्ज उपलब्ध करा पाएगा। सरकार के मुताबिक, इस इक्विटी निवेश के बाद सिडबी की मदद से वित्तीय सहायता पाने वाले एमएसएमई की संख्या 76.26 लाख से बढ़कर 1.02 करोड़ तक पहुंच सकती है। यानी करीब 25.74 लाख नए एमएसएमई को सीधा फायदा मिलेगा।

1 करोड़ से अधिक रोजगार पैदा होने का अनुमान

मौजूदा आंकड़ों के आधार पर इससे करीब 1.12 करोड़ नए रोजगार पैदा होने का अनुमान है, क्योंकि औसतन हर एमएसएमई करीब 4 लोगों को रोजगार देता है। सरकार ने बताया कि आने वाले वर्षों में सिडबी की बैलेंस शीट पर जोखिम भारित परिसंपत्तियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि बैंक डिजिटल और बिना गारंटी वाले कर्ज, स्टार्टअप्स को वेंचर डेट और एमएसएमई को ज्यादा फाइनेंस उपलब्ध कराने पर जोर दे रहा है। ऐसे में मजबूत पूंजी आधार जरूरी है, ताकि सिडबी की कैपिटल टू रिस्क वेटेड एसेट्स रेश्यो (सीआरएआर) मजबूत बनी रहे और उसकी क्रेडिट रेटिंग सुरक्षित रहे। अटल पेंशन योजना के विस्तार से करोड़ों लोगों को बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा मिलेगी, तो वहीं सिडबी को दी

बीजेपी अध्यक्ष बनते ही एक्शन मोड में नितिन नबीन

केरल चुनाव के लिए विनोद तावड़े को बड़ी जिम्मेदारी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने अपनी कमान संभालते ही चुनावी तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। मंगलवार को पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद उन्होंने एक्शन मोड में आते हुए केरल, बेंगलुरु और तेलंगाना के लिए महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। नितिन नबीन ने मंगलवार को जे.पी. नड्डा की जगह लेते हुए भारतीय जनता पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। उनके नेतृत्व में पार्टी संगठन में पीढ़ीगत बदलाव के जरिए अपना प्रभाव विस्तारित करना चाहती है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब बात पार्टी के विषयों की आती है, तो वह एक कार्यकर्ता हैं और नितिन नबीन उनके 'बॉस' हैं। पार्टी अध्यक्ष के रूप में अपनी पहली बड़ी कार्रवाई करते हुए नितिन नबीन ने राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को केरल विधानसभा चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया है। केरल में अप्रैल में चुनाव होने की संभावना है। उनके साथ केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे को सह-प्रभारी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, विनोद तावड़े को चंडीगढ़ के नए मेयर चुनाव की देखरेख की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। ग्रेटर बेंगलुरु कॉर्पोरेशन चुनाव के लिए भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेता राम माधव को चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। उनके साथ राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सतीश पूनिया और महाराष्ट्र के विधायक संजय उपाध्याय को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

कर्नाटक में अश्लील वीडियो कांड पर सरकार का एक्शन, डीजीपी रामचंद्र राव को किया सस्पेंड

नई दिल्ली। कर्नाटक के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय के महानिदेशक रामचंद्र राव को सस्पेंड कर दिया गया है। यह कार्रवाई उनके कथित अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद की गई है। वीडियो में वह एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में नजर आ रहे हैं, जिससे राज्य में भारी विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, रामचंद्र राव ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उन्हें फंसाया जा रहा है।

राज ठाकरे और शिंदे आएंगे साथ

कल्याण-डोंबिवली में मेयर पद के लिए नया फार्मूला...

मुंबई। महाराष्ट्र की कल्याण-डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन केडीएमसी में किसी भी एक पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने से सियासी तस्वीर बेहद दिलचस्प हो गई है। मौजूदा हालात में ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि महानगरपालिका की सत्ता का रुख अचानक बदल सकता है। सूत्रों के मुताबिक, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के बीच गठबंधन की संभावना पर गंभीर बातचीत चल रही है। यदि यह गठबंधन अंतिम रूप लेता है, तो केडीएमसी में मेयर शिंदे सेना का बन सकता है, जिससे बीजेपी और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) सत्ता से बाहर हो सकते हैं। ऐसा हुआ तो यह उद्धव ठाकरे के लिए किसी बड़े सदमे से कम नहीं होगा। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से शिंदे गुट और एमएनएस के नेताओं के बीच लगातार संपर्क बना हुआ है।

टी20 विश्व कप 2026 आईसीसी बैठक संपन्न

बांग्लादेश को 'भारत में खेलो या बाहर होने' का अल्टीमेटम

नई दिल्ली/ एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले हुए विवाद के लिए आज हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में बांग्लादेश को अल्टीमेटम दे दिया है। उन्हें बहुमत के आधार पर भारत में खेलो या बाहर होने का अल्टीमेटम दिया गया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से बांग्लादेश सरकार को यह बताने के लिए कहा है कि अगर बांग्लादेश 2026 टी20 विश्व कप में अपने मैच खेलने के लिए भारत जाने से मना करता रहता है, तो उसकी जगह टूर्नामेंट में दूसरी टीम को शामिल किया जाएगा। यह फैसला वोटिंग के बाद लिया गया, जिसमें आईसीसी बोर्ड के ज्यादातर सदस्य रिप्लेसमेंट के पक्ष में थे। बीसीबी को भारत में खेलने के अपने रुख पर आईसीसी को जवाब देने के लिए एक और दिन का समय दिया गया है। इस विवाद की शुरुआत मुंबई इंडियंस द्वारा बांग्लादेश के स्टार पेसर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से रिलीज करने के बाद हुई। इसके बाद सुरक्षा और टीम माहौल को लेकर बांग्लादेश में नए स्वर उभरे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत यात्रा पर सुरक्षा आशंका जताते हुए कहा कि टीम को श्रीलंका में खेलना चाहिए। उनकी मांग यह थी कि बांग्लादेश को ग्रुप सी से हटाकर ग्रुप बी में भेजा जाए, क्योंकि ग्रुप बी के मैच श्रीलंका में खेले जा रहे हैं। मौजूदा शेड्यूल में बांग्लादेश अपने लीग मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेलेगा।

बंद मकान से एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिले, शरीर पर थे गोलियों के निशान

सहारनपुर। सरसावा क्षेत्र की कौशिक विहार कॉलोनी में सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक बंद मकान के अंदर एक ही परिवार के पांच लोगों के शव बरामद किए गए। सूचना मिलते ही एसपी देहात पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मकान अंदर से बंद मिला और सभी शवों पर गोली के निशान पाए गए हैं। मृतकों की पहचान अशोक, उनकी पत्नी अंजिता, मां विद्यावती और दो बेटे कार्तिक व देव के रूप में हुई है। अशोक तहसील में अमीन के पद पर तैनात थे। मौके से तीन तमंचे भी बरामद किए गए हैं।

अरावली मामले में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

अवैध खनन से ऐसा नुकसान जिसकी भरपाई असंभव कोर्ट

जयपुर/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि इससे पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है। इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए अदालत ने अरावली क्षेत्र में खनन और उससे जुड़े सभी पहलुओं की व्यापक जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का फैसला किया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कहा कि अरावली जैसे संवेदनशील क्षेत्र में अवैध खनन केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी गंभीर खतरा है। अदालत ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और एमिकस क्यूरी के. परमेश्वर को निर्देश दिए हैं कि वे चार सप्ताह के भीतर खनन से संबंधित मामलों में विशेषज्ञता रखने वाले पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाएं, ताकि एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। यह समिति सुप्रीम कोर्ट की निगरानी और मार्गदर्शन में कार्य करेगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि अरावली क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में अवैध खनन की गतिविधियां सामने आ रही हैं। इस पर राजस्थान सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज ने अदालत को आश्वस्त किया कि राज्य में किसी भी तरह का अवैध खनन नहीं होने दिया जाएगा।

साय कैबिनेट के बड़े फैसले

नवा रायपुर में राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थान और स्टार्टअप हब को मंजूरी

रायपुर/ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज बुधवार को सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ आबकारी नीति वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रस्ताव का अनुमोदन तथा इससे संबंधित समस्त अनुषांगिक कार्यवाहियों के लिए विभाग को अधिकृत किया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में उच्च कोटि का शैक्षणिक संस्थान स्थापित किये जाने के लिए श्री विले पारले कलावनी मंडल (स्क्वच्रू) को उनके नरसी मोंजी प्रबंधन अध्ययन संस्थान की स्थापना के लिए सेक्टर-18 में चिन्हांकित लगभग 40 एकड़ भू-खण्ड का आबंटन लीज के रूप में एकमुश्त 90 वर्षों के लिए करने की स्वीकृति प्रदान की है। एसव्हीकेएम एक ख्याति प्राप्त संस्था है, जो वर्ष 1934 से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत तथा वर्तमान में 30 शैक्षणिक संस्थान संचालित है, जोकि एक लाख से अधिक छात्रों को प्रति वर्ष प्री-प्राइमरी से लेकर डॉक्टोरल कार्यक्रमों में शिक्षा प्रदान करता है। वर्ष 2025 में एनआईआरएफ यूनिवर्सिटी रैंकिंग में इस संस्था को 52वां रैंक प्राप्त हुआ है। नवा रायपुर में इस राष्ट्रीय स्तर के संस्थान की स्थापना से राज्य में आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को और मजबूती मिलेगी। मंत्रिपरिषद द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में 04 नवीन उद्यमिता केन्द्रों की स्थापना के लिए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के साथ एमओयू का निर्णय लिया है। इससे राज्य में आईटी/आईटीईएस उद्योग तथा तकनीकी स्टार्ट-अप इको सिस्टम को प्रोत्साहित करने में यह एमओयू महत्वपूर्ण होगा। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के 68 केन्द्र संचालित है, जिनमें 60 भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्थित है। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से एआई, मेडटेक (हर्बल मेडिसिन एवं वन उत्पाद आधारित), स्मार्ट सिटी तथा स्मार्ट एग्री उद्यमिता केन्द्रों के माध्यम से आगामी तीन से पांच वर्षों में डोमेन विशेष के 133 स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देंगे। राज्य सरकार द्वारा छात्रों, उद्यमियों, शोधकर्ताओं तथा उद्योगों को ईएसडीएम उत्पादों के प्रोटोटाइप विकसित करने में सहयोग प्रदान करने के लिए एसटीपीआई के माध्यम से एक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं विकास (ईएसडीडी) केन्द्र स्थापित किया जाएगा, जो प्रति वर्ष 30 से 40 हार्डवेयर, स्टार्टअप और एमएसएमई को सभी सहायता प्रदान करेगा। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओ में गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, वर्तमान संसाधनों को सुदृढीकरण करने तथा निर्धारित मानक के अनुसार जांच की संख्या बढ़ाने के लिए राज्य के जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में लैब के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक निर्णय लिए गए हैं।

गरियाबंद में 9 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, धमतरी-गरियाबंद से एके-47 सहित हथियार जब्त

रायपुर रेंज में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। गरियाबंद जिले में 9 नक्सलियों ने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है। इसके बाद उनकी निशानदेही पर गरियाबंद और धमतरी जिलों के जंगलों से नक्सलियों के छिपाए गए हथियार डंप भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 19 जनवरी 2026 को गरियाबंद जिले में 9 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। यह राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति का सकारात्मक परिणाम माना जा रहा है। आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिली जानकारी के आधार पर 20 जनवरी को जिला पुलिस और ई-30 टीम को जंगल क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया।

पीपर भट्ठा से भोईनाभाटा पदयात्रा में शामिल हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज का मनरेगा कानून बचाओ को लेकर प्रारंभ किये गये पदयात्रा कार्यक्रम बेमेतरा जिले के ग्राम पीपल भट्ठा से लेकर ग्राम भोईनाभाटा तक रखा गया जिसमें प्रदेश अध्यक्ष ने भाग लिया एवं पदयात्रा की इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ग्राम पीपर भट्ठा एवं भोईना भाटा के मनरेगा मजदूरों से बातचीत की उनसे जाना की उन्हें मनरेगा के माध्यम से किस तरह के कार्य बेमेतरा जिले में मिलते थे और कितने दिनों का रोजगार उन्हें प्राप्त होता था। साथ ही साथ उन्होंने नए कानून को लेकर भी किसानो एवं मजदूर की राय जानने का प्रयास किया जिसमें किसानों ने नए कानून के प्रति अपना रोस व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरीके के कानून आने से तो हम रोजगार से वंचित हो जाएंगे प्रदेश अध्यक्ष ने मनरेगा मजदूरों के साथ भोजन किया एवं पदयात्रा का समापन ग्राम भोईना भाटा में हुआ जहां गुरु घासीदास जयंती समारोह में भाग लेकर प्रदेश अध्यक्ष ने अपने इस पदयात्रा को पूर्ण किया। छत्तीसगढ़

प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने लोगों को बताया कि मनरेगा के स्थान पर भाजपा की सरकार नया कानून जी राम जी योजना ला रही है जो भारत के लोगों के साथ खिलवाड़ है। यह योजना मनरेगा कानून को समाप्त करने वाली है। आप सभी को अच्छे तरीके से पता है कि कोरोना काल में मनरेगा के द्वारा ही लोगों को काम मिला था। भारत की अर्थव्यवस्था को गति मिल सकी थी मनरेगा कानून गांव के लोगों को सम्मान के साथ जीवन जीने के लिए जीवकोपार्जन देता है वही जी राम जी कानून लाकर भाजपा सरकार महात्मा गांधी के प्रति अपनी दुर्भावना दिखाते हुए ग्रामीण भारत को भी बर्बाद करने में लगी हुई है। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने भी अपने विचार रखें। जिसमें उन्होंने कहा कि मनरेगा कानून को समाप्त करना ग्रामीण जनों के रोजगार पर सीधा हमला है। एक तो भाजपा की सरकार लोगों को रोजगार नहीं दे पा रही है। अगर गांव के लोगों को मनरेगा के माध्यम से कम मिलता है तो वह उसे भी छिनने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस कमेटी इसके लिए लड़ाई लड़ेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आकाश शर्मा कविता साहू अवनीश राघव की टी आर जनार्दन प्रांजल तिवारी ललित विश्वकर्मा रवि परगनिहा ओम दाऊ हरीश साहू शशि प्रभा गायकवाड सुशीला जोशी बालकुमारी ध्रुव शकुंतला साहू रश्मि मिश्रा रीता पांडे रुबी सलूजा रमा साहू मिथिलेश वर्मा सुमित राजपूत राजू साहू मोनल सिन्हा विजय बघेल झम्मन बघेल सतीश मारकंडे लुकेश वर्मा सुमन गोस्वामी जोगेंदर छाबड़ा सुनील नामदेव विनोद परगनिहा जावेद खान कमल साहू निलेश वैष्णव चंद्रविजय धीवर प्रकाश ठाकुर रघू तिवारी शुभम गंधर्व अमित वर्मा शिव वर्मा मिश्रा अतुल साहू वतन मिश्रा ऋतिक तिवारी नवीन ताम्रकार राजेंद्र वर्मा मनोज गायकवाड राजकुमार सेन गुडडू सिंह गोविंद राजपूत यसिफ खान अनिल दुबे डॉक्टर शिशिर दुबे संजय वर्मा चेतन साहू शरद साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुस्लिम समाज एवं आईएलएस अस्पताल रायपुर के सहयोग से हुआ निशुल्क चिकित्सा शिविर

दल्लीराजहरा। मुस्लिम समाज दल्ली राजहरा के अध्यक्ष मुश्ताक अहमद ने बताया कि बीएसपी सिटीजन क्लब दल्लीराजहरा में मानवता की सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुस्लिम समाज, दल्लीराजहरा एवं आईएलएस हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। मुस्लिम समाज के अध्यक्ष (सदर) मुश्ताक अहमद और समाज के सभी लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए समाजसेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जो आपसी सहयोग और मानवता की भावना को और सशक्त बनाता है। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य महाप्रबंधक खदान आर बी गहरवार ने कहा कि स्वास्थ्य एक स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन व्यक्ति की अमूल्य निधि है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति सुखी और स्वस्थ रहना चाहता है। व्यक्ति को स्वस्थ तब कहा जाता है जब वो रोगमुक्त हो अर्थात् रोग न होने की अवस्था ही स्वास्थ्य है, साथ उन्होंने इस तरह के सामाजिक कार्यो के लिए सदा आगे बढ़कर सहयोग करने का वादा भी किया जिससे नगर के लोगों का भला हो सकें। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा जिला महामंत्री

सौरभ लूनिया ने मुस्लिम समाज के कदम की भरपूर सराहना की और कहा भविष्य कभी भी समाज को इस तरह के जनहित के कार्यो के लिए किसी भी प्रकार की सहयोग की आवश्यकता होगी तो वह हमेशा सहयोग के लिए तैयार रहेंगे। शिविर में आई.एल.एस. अस्पताल रायपुर के अनुभवी हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जावेद परवेज़, हड्डी, स्पोर्ट्स इंजरी एवं जोड़ प्रत्यारोपन सर्जन रोग विशेषज्ञ डॉ राहुल शाह और गेस्ट्रोइंटेस्टाइनल, लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ धीरज प्रेमचंदानी और स्त्री रोग विशेषज्ञ रंजना नगर एवं उनके सहयोगियों ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर मे आने वाले सभी समुदाय के मरीजों के लिए बीपी, बीएमआई, लिपिड प्रोफाइल, टी.एस.एच., ब्लड शुगर, ईसीजी जैसी आवश्यक जांचें पूरी तरह निःशुल्क की गईं। परामर्श के बाद मरीजों को जरूरत के अनुसार निःशुल्क दवाइयां भी दी गईं। मुस्लिम समाज के अध्यक्ष मुश्ताक अहमद ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उददेश्य शहर के उन वर्गों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है, जो आर्थिक कारणों से बड़े अस्पतालों तक नहीं पहुंच पाते। बीएसपी सिटीजन क्लब में सुबह से ही मरीजों का तांता लगा रहा, जिसमें बुजुर्गों और महिलाओं की संख्या अधिक देखी गई। आईएलएस अस्पताल के प्रबंधन ने इस सफल आयोजन के लिए मुस्लिम समाज और दल्लीराजहरा बीएसपी प्रबंधन एवं सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। मुस्लिम समाज की ओर से उपस्थित विशेषज्ञ डाक्टरों और उपस्थित महाप्रबंधक खदान एवं जनप्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की काफी सराहना की है और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की मांग की है। इस सफल आयोजन में शहर के प्रबुद्ध नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं, सामाजिक एवं राजनैतिक सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जिसमें मुख्य रूप से समाजिक कार्यकर्ता विलियम, अब्दुल रहीम, भाजपा मंडल अध्यक्ष रामेश्वर साहू, श्याम जायसवाल, महेश पांडेय, एटक से श्रीनिवास राव, सीटू से ज्ञानेंद्र सिंग, हरिनाथ आदि। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के हाजी मजीद, मोईद शफी, एस अंसारी, शेख नय्युम, सऊद आलम, शेख असलम, नवाब बड़गुजर, शफी बक्श मोहम्मद फिरोज, मोहम्मद फरीद, सुहैल फारूकी, इसराइल शाह, गुडडू भाई, शेख अनजान, शकील हुसैन, रिम्मी हैदराबादी, ईमरान ईम्मू, मिस्कीन, शेख अफजल, याशीर फारूकी, कलीम बड़गुजर, असलम कुरैशी, ईमरान राजा, लाल मोहम्मद, अशरफ मेमन, आरिफ, कादिर, अतिब अहमद, एवं नाज मेनन, शगुफ्ता शाहीन, तंजीला, इसरत व निकहत प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

ग्राम बानों से रेंगाखार तक किया जा रहा सड़क मरम्मत कार्य

कवर्धा। जिले के ग्राम बानों से घानीखुटा घाट होते हुए रेंगाखार तक 28.40 किलोमीटर लंबी सड़क का रखरखाव लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि पेवर मशीन और रोलर के माध्यम से सड़क मरम्मत का कार्य तेज़ी से प्रगति पर है। वर्षा ऋतु के दौरान ग्राम बानों क्षेत्र में डब्ल्यू.एम.एम. गिट्टी से पेंच रिपेयर कर मार्ग को दुरुस्त किया गया। इसके बाद बारिश समाप्त होते ही सबसे अधिक क्षतिग्रस्त 11 किलोमीटर सड़क की बी.टी. पेंच रिपेयर प्राथमिकता के साथ पूरी कर ली गई, जो दिसंबर 2025 तक पूर्ण हो चुकी है। शेष 17.40 किलोमीटर मार्ग की मरम्मत भी सुव्यवस्थित योजना के तहत लगातार जारी है, जिसे 25 जनवरी तक पूरा किया जा रहा है। सड़क मरम्मत कार्य होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलने लगी है।

दहेज की हैवानियतः पति ने पत्नी को पीटकर जहर पिलाया, इलाज के दौरान मौत

कवर्धा। जिले से दहेज उत्पीड़न की एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने एक बार फिर देश को झकझोर कर रख दिया है। लोहारा थाना क्षेत्र के महाराटोला गांव में दहेज की मांग पूरी न होने पर एक महिला की बेरहमी से हत्या किए जाने का आरोप सामने आया है। मायके पक्ष का आरोप है कि पति ने पहले पत्नी की बेरहमी से पिटाई की और फिर उसे जहर पिलाकर मौत के घाट उतार दिया। मृतका की पहचान लोकेश्वरी के रूप में हुई है। आरोप है कि वारदात के बाद पति जोहन साहू ने अपने जुर्म को छिपाने के लिए उसे लोहारा अस्पताल में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने महिला को जिला अस्पताल रेफर किया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जैसे ही घटना की सूचना पुलिस को मिली, पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया।

हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार, ससुराल पक्ष जांच के घेरे में

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति जोहन साहू को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल के अन्य सदस्यों पर भी हत्या में शामिल होने का गंभीर आरोप लगाया है। परिजन एसपी कार्यालय पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की लिखित शिकायत दर्ज कराई। मृतका के पिता का कहना है कि ससुराल पक्ष लंबे समय से दहेज को लेकर उनकी बेटी को प्रताड़ित कर रहा था और अंततः सभी ने मिलकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने आरोपी के माता-पिता की भी भूमिका की जांच की मांग की है।

पुलिस का बयानः दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों की भूमिका की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। जांच में यदि अन्य लोग दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। रोते-बिलखते परिजन इंसाफ की गुहार लगा रहे हैं। दहेज के नाम पर हो रही यह हत्या एक बार फिर समाज और सिस्टम के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर रही है।

अखिल विश्व गायत्री शक्तिपीठ के शताब्दी समारोह का आयोजन बैरागी दीप पर किया गया

दल्लीराजहरा। अखिल विश्व गायत्री शक्तिपीठ के शताब्दी समारोह का आयोजन बैरागी दीप पर किया गया है। यह आयोजन माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी, गायत्री शक्तिपीठ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने एवं गुरुदेव श्रीराम शर्मा के दादा गुरु का प्रथम दर्शन एवं साधना की शुरुआत का 100 वर्ष पूर्ण होने पर बैरागी द्वीप हरिद्वार में आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम 19 से 24 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है। डौंडी ब्लॉक से 26 सदस्य एवं पूरे बालोद जिले से 90 सदस्य इस समारोह में सम्मिलित होने के लिए हरिद्वार जा रहे हैं। पूरे विश्व से लगभग 100000 से अधिक की संख्या में गायत्री शक्तिपीठ की परिवार इस महा आयोजन में सम्मिलित होने का अनुमान है। इस आयोजन में गायत्री शक्तिपीठ दल्ली राजहरा से हीरालाल पवार, हुलास देवांगन, राजेंद्र देशमुख, डोमन लाल यादव, संतोष कोरेटिया दारा सिंह भैसारे, कुलेश्वर भारद्वाज, दमयंती पवार, कांता देशमुख, हेमलता यादव, पुरुषोत्तम सोनवानी एवं राजेंद्र ठाकुर को कुशल यात्रा का शुभकामनाएं देने के लिए गायत्री शक्ति परिवार के सदस्य पहुंचे थे सदस्यों ने पुष्प गुच्छ देकर सुखद यात्रा की कामना की।

समाधान महाविद्यालय में आदर्श गांव के लिए आदर्श मानसिकता कार्यशाला, हिवरे बाजार मॉडल से मिला

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय, बेमेतरा में आदर्श गांव के लिए आदर्श मानसिकता विषय पर दो दिवसीय विशेष कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला मध्यस्थ दर्शन सह-अस्तित्ववाद के प्रणेता ए. नागराज के विचारों पर आधारित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. अवधेश पटेल, भव्य सृष्टि उद्योग के फाउंडर गणेश वर्मा, प्रशासनिक अधिकारी उमेश सिंह राजपूत, सहायक प्राध्यापकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। डॉ. अवधेश पटेल ने कार्यशाला की संपूर्ण रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आदर्श गांव का निर्माण केवल भौतिक संसाधनों से नहीं, बल्कि सोच और व्यवहार में परिवर्तन से संभव है। गणेश वर्मा ने कहा कि समाधान महाविद्यालय का संचालन मानवीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा की स्थापना के उद्देश्य से किया जा रहा है। संस्थान में संचालित बीएड पाठ्यक्रम का सीधा जुड़ाव ग्राम समाज, शिक्षा और जमीनी वास्तविकताओं से है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यशाला के माध्यम से शिक्षा, समाज और ग्राम विकास–तीनों क्षेत्रों में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन की दिशा तय होगी। कार्यशाला के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के हिवरे बाजार ग्राम के पूर्व सरपंच एवं पद्मश्री सम्मानित पोपट राव पवार का ऑनलाइन मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि हिवरे बाजार कभी सूखा, जल संकट, गरीबी, पलायन और नशाखोरी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा था, लेकिन सामूहिक निर्णय, अनुशासन और जनभागीदारी के बल पर यह गांव देश-विदेश में आदर्श ग्राम और जल प्रबंधन मॉडल के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास, स्वावलंबन और पारिवारिक सुख का कार्य ए. नागराज द्वारा प्रतिपादित मध्यस्थ दर्शन के आधार पर प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। ग्राम सभा के माध्यम से सामूहिक निर्णय, श्रमदान, जल संरक्षण, वर्षा के अनुसार फसल चयन और सरकारी योजनाओं के ईमानदार क्रियान्वयन ने हिवरे बाजार को आत्मनिर्भर बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छे विचारों के साथ किए गए अच्छे कार्य ही स्थायी विकास की नींव रखते हैं। हिवरे बाजार में लोगों की आय लगभग पाँच गुना बढ़ चुकी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ का प्रत्येक गांव इस मॉडल को अपनाकर आदर्श गांव बन सकता है। दूसरे सत्र में अभ्युदय संस्थान, अछोटी से जुड़े कृषि वैज्ञानिक एवं मध्यस्थ दर्शन के अध्येता डॉ. संकेत ठाकुर ने कहा कि आदर्श गांव की स्थापना का पहला कदम स्वयं को जानना और पहचानना है। जब व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियों को समझता है, तभी वह समाज और गांव के प्रति सही भूमिका निभा पाता है। उन्होंने कहा कि यदि हमारी मानसिकता में चौबीसों घंटे आदर्श गांव के निर्माण की तैयारी और प्रतिबद्धता बनी रहे, तो यह लक्ष्य निश्चित रूप से साकार होगा। इसके पश्चात पुणे से पधारे शिक्षाविद् योगेश शास्त्री ने सह-अस्तित्व की दृष्टि से सुखी परिवार, सशक्त समाज, ग्रामीण विकास और जल संरक्षण पर वैचारिक एवं व्यावहारिक चर्चा की। उन्होंने कहा कि आदर्श गांव का निर्माण केवल स्थानीय प्रयास नहीं, बल्कि वैश्विक दायित्व है। सशक्त समाज की नींव परिवार व्यवस्था में संस्कारों से पड़ती है। उन्होंने वर्तमान समय की दो गंभीर समस्याओं–पर्यावरण में हो रहा परिवर्तन और मानव की बढ़ती अपराधग्रस्त मानसिकता–पर चिंता व्यक्त करते हुए इनके स्थायी समाधान के लिए सही आचरण और दीर्घकालिक कार्ययोजना की आवश्यकता बताई। कार्यशाला में ग्राम पंचायत गुडेलिया के सरपंच संकेत अग्रवाल ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि ग्रामसभा में सामूहिक चर्चा और पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया से विकास कार्यों की गुणवत्ता स्वतः सुनिश्चित होती है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव ने अपने संबोधन में नशामुक्त समाज की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सकारात्मक आचरण और सामूहिक संकल्प से ही सुखी, सुरक्षित और समृद्ध समाज की स्थापना संभव है।

03 लाख 88 हजार 350 रूपये का अवैध मादक पदार्थ गांजा रखने वाला आरोपी पुलिस के गिरफ्त में

बेमेतरा। साइबर सेल बेमेतरा एवं चौकी देवरबीजा पुलिस की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की अवैध बिक्री हेतु परिवहन में लिप्त पर कार्रवाई तेज करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 03 लाख 88 हजार 350 रूपये से भी अधिक की मादक पदार्थ गांजा को वाहन सहित जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। इसी क्रम में 18 जनवरी 2026 को चौकी देवरबीजा पुलिस को जरिये मुखबीर से सुचना मिला कि वर्मा के खेत के सामने कच्ची रोड ग्राम घोटमार्रा में जागेश वर्मा ऊर्फजम्बो के द्वारा अपने वाहन क्रमांक सीजी 25 एन. 3508 में अवैध रूप से बिक्री हेतु मादक पदार्थ गांजा रखा है कि सूचना पर, उक्त सूचना के संबंध में अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार के मार्गदर्शन में साइबर सेल बेमेतरा एवं चौकी देवरबीजा पुलिस टीम द्वारा सूचना के अधार पर खेत जाने का कच्ची रोड ग्राम घोटमर्रा पहुचकर जागेश वर्मा ऊर्फ जम्बो अपने कार में उपस्थित मिला, कार वाहन सीजी 25 एन.3508 की तलाशी लेने पर वाहन के डीग्गी में दो सफेद रंग का प्लास्टिक बोरी भरा हुआ मिला, जिसमें खाकी रंग के सेलो टेप में लपेटा हुआ कुल 20 पैकेट अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा बिक्री हेतु कार में

रखा हुआ पकडा गया। आरोपी जागेश वर्मा ऊर्फ जम्बो पिता अभय राम वर्मा उम्र 31 वर्ष निवासी वार्ड नं. 15 नयापारा बेमेतरा, थाना व जिला बेमेतरा के कब्जे से वाहन सीजी 25 एन. 3508 से 20 पैकेट खाकी रंग के सेलो टेप में पैकिंग किया हुआ अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा, कुल वजनी 25 किलो 890 ग्राम कीमती करीबन 3,88,350/- रूपये (03 लाख 88 हजार 350 रूपये) एवं एक कार वाहन सीजी 25 एन. 3508 कीमती 10,0000/- रूपये, 01 नग मोबाईल कीमती करीबन 4,000/- रूपये, जुमला कीमती 13,92,350/- रूपये (13 लाख 92 हजार 350 रूपये) को जप्त किया गया हैं। जिसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा का 01 प्रकरण दर्ज कर 01 आरोपी के विरूद्ध धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत वैधानिक कार्यवाही की गई हैं। इस संपूर्ण कार्रवाई में सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, चौकी प्रभारी देवरबीजा सहायक उप निरीक्षक रेशम लाल भास्कर, साइबर सेल टीम प्रधान आरक्षक योगेश यादव, आरक्षक नुरेश वर्मा, संजय पाटिल, जयकिशन साहू, मुकेश माहिरे, संतोष धीवर, रेखन साहू, चौकी देवरबीजा से प्रधान आरक्षक आनंद कोठरी, आरक्षक रामगोपाल निषाद, सबित गोयल, गजानंद पटेल, मुकेश राजपूत, छोटूराम टेम्बुकर एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समाज पर सकारात्मक प्रभाव

आरोपी पर कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों को अब बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस प्रशासन ने समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

एनएचएम संविदा भर्ती के तहत पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी, 2 फरवरी तक कर सकते हैं दावा-आपत्ति

कवर्धा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत जिला कबीरधाम में संविदा भर्ती के लिए पात्र और अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। यह भर्ती 14 अगस्त 2025 को जारी विज्ञापन के अनुसार 14 प्रकार के कुल 18 रिक्त पदों के लिए की जा रही है। जारी की गई पात्र-अपात्र सूची जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर देखी जा सकती है। यदि किसी अभ्यर्थी को सूची को लेकर कोई दावा या आपत्ति करना हो, तो वे 02 फरवरी 2026 को शाम 5.30 बजे तक निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा-आपत्ति सीधे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, जिला कबीरधाम में कार्यालयीन दिनों में जमा करनी होगी। निर्धारित अंतिम तिथि के बाद प्राप्त किसी भी दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

धान बिक्री के उपरांत किसानों से शेष रकबे का कराया जा रहा है समर्पण

दल्लीराजहरा। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी योजना के अंतर्गत जिले में धान की अवैध खरीदी बिक्री पर रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर धान बिक्री के उपरांत किसानों से शेष रकबे का समर्पण कराया जा रहा है। जिससे कि जिले में वास्तविक किसानों के वास्तविक रकबे के आधार पर शत प्रतिशत धान की खरीदी सुनिश्चित करने के साथ-साथ कोचियों एवं व्यापारियों के माध्यम से धान की अवैध खरीदी एवं बिक्री पर रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। जिले के सभी धान खरीदी केन्द्रों में अभियान चलाकर धान बिक्री के उपरांत किसानों के शेष रकबे का समर्पण कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन

की पहल पर जिले में अब तक 01 लाख 01 हजार 121 किसानों ने धान बिक्री के उपरांत अपने शेष बचे 10 हजार 747 हेक्टेयर से अधिक रकबे का समर्पण कराया है। इसके अंतर्गत ग्राम सुरेगांव निवासी एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधि चेमन देशमुख ने अपनी धर्मपत्नी जयश्री देशमुख के साथ धान खरीदी केन्द्र सुरेगांव में पहुँचकर रकबा समर्पण किया। इस दौरान चेमन देशमुख ने धान बिक्री के उपरांत शेष रह गए 0.72 हेक्टेयर रकबे का समर्पण किया। इसी तरह उनकी धर्मपत्नी जयश्री देशमुख ने भी धान बिक्री के उपरांत शेष रह गए 0.67 रकबे का समर्पण किया। इस दौरान चेमन देशमुख ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य के अंतर्गत रकबा समर्पण के लाभ एवं उददेश्यों के संबंध में भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वास्तविक किसानों के वास्तविक रकबे के आधार पर धान की खरीदी सुनिश्चित करने तथा धान की अवैध खरीदी बिक्री पर रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु धान बिक्री के उपरांत शेष रकबे का समर्पण करना अत्यंत आवश्यक है। जिससे कि किसी भी प्रकार की अवैध धान की खरीदी एवं बिक्री न हो सके। इस अवसर पर देशमुख ने रकबा समर्पण हेतु शेष रह गए जिले के सभी कृषकों से धान बिक्री के उपरांत शेष रह गए रकबे का अनिवार्य रूप से समर्पण कराने को कहा। जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि चेमन देशमुख के अलावा जिले के 04 हजार 789 कृषकों ने भी धान खरीदी केन्द्रों में पहुँचकर धान बिक्री के उपरांत शेष रकबे का समर्पण कराया। इसके अंतर्गत डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के धान खरीदी केन्द्र सुरेगांव में ग्राम तेलीटोला के कृषक दिलेश्वर साहू ने 0.34 हेक्टेयर, ग्राम मनकी के कृषक आत्माराम ने 2.57 हेक्टेयर, ग्राम शिकारी टोला के कृषक हेमनाथ साहू ने 0.75 हेक्टेयर एवं ग्राम मनकी निवासी पार्वती साहू ने धान बिक्री के उपरांत शेष रह गए 0.37 हेक्टेयर रकबे का समर्पण किया। इसी तरह धान खरीदी केन्द्र मुड़िया में ग्राम गारका के कृषक फगनी बाई के द्वारा 0.71 हेक्टेयर एवं किसान शिवराम ने धान बिक्री के उपरांत 02 एकड़ शेष रकबे का समर्पण किया।

संक्षिप्त समाचार

तीन किलोग्राम से अधिक गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी की एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तीन किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 18.01.26 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना तेलीबांधा क्षेत्रांतर्गत काशीराम नगर स्थित हनुमान मंदिर के पास एक व्यक्ति गांजा रखा है तथा बिक्री करने की फिराक में है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सूचना की तस्दीक कर आरोपी को गांजा के साथ पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति की पतासाजी करते हुये व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम राहुल धुव्र बर्वे निवासी काशीराम नगर तेलीबांधा रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें थैले की तलाशी लेने पर थैले में गांजा रखा होना पाया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी राहुल धुव्र बर्वे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 3.100 किलोग्राम गांजा कीमती 1,55,000 रूपये एवं बिक्री नगदी रकम 4,700 रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में धारा 20बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

धान से गेंदा फूल तक का सफर- बरगांव के देवानंद निषाद ने एक एकड़ में कमाए ढाई लाख

रायपुर। गेंदा की खेती से किसानों को कम लागत, कम समय (लगभग 60 दिन में फसल तैयार) और ज्यादा मुनाफे का लाभ मिलता है, क्योंकि इसकी मांग धार्मिक व सामाजिक कार्यों में हमेशा रहती है। यह अन्य फसलों के लिए प्राकृतिक कीटनाशक का काम करती है और मिट्टी की सेहत सुधारती है, जिससे मुख्य फसल भी कीटों से बचती है और एक एकड़ से एक रूपए लाख तक का शुद्ध मुनाफा कमाया जा सकता है। जीवनदायिनी महानदी के किनारे बसे ग्राम बरगांव के प्रगतिशील किसान देवानंद निषाद ने पारंपरिक धान की खेती छोड़कर गेंदा उत्पादन में ऐसी सफलता हासिल की है कि अब पूरा गांव रबी में फूलों की खेती की ओर कदम बढ़ा रहा है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत पुष्प क्षेत्र विस्तार योजना का लाभ लेते हुए श्री देवानंद पिछले दो वर्षों से गेंदा की खेती कर रहे हैं और एक एकड़ में लगभग 2.5 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित कर रहे हैं। देवानंद बताते हैं कि पहले वे रबी में धान लगाते थे, जिससे प्रति एकड़ लगभग 20 क्विंटल उत्पादन होता था। 15 हजार रुपये की लागत पर उन्हें करीब 35 हजार रुपये का लाभ मिलता था। लेकिन गेंदा की खेती ने उनकी आमदनी की तस्वीर बदल दी। लगभग एक एकड़ सिंचित भूमि में 50 हजार रुपये की लागत से उन्होंने 3750 किलोग्राम फूल का उत्पादन लिया, जिसे औसतन 80 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचकर वर्ष भर में करीब 3 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। देवानंद प्रतिदिन 60 से 70 किलो ताजा गेंदा फूल रायगढ़ के फूल बाजार में बेचने ले जाते हैं। उद्यानिकी विभाग से उन्हें राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत गेंदा के पौधे नि:शुल्क मिले तथा समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन भी मिलता रहा, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में वृद्धि हुई। श्री देवानंद की इस उल्लेखनीय सफलता से प्रेरित होकर अब ग्राम बरगांव के अन्य किसान भी रबी सीजन में धान के स्थान पर गेंदा फूल की खेती अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं। गांव में फूलों की खेती नई आर्थिक क्रांति का रूप लेती दिखाई दे रही है।

पेंशनर्स को किसी प्रकार की न हो असुविधा, बैंक सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करें-कलेक्टर

रायपुर। भारतीय रिज़र्व बैंक, रायपुर द्वारा वरिष्ठ नागरिकों एवं पेंशनर्स के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट पाई-पाई के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को बैंकिंग सुविधाओं, डिजिटल लेन-देन तथा साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि जिले के पेंशनर्स को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करना सभी बैंकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स को उनका अधिकार मिलना चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान मानवता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में भारतीय रिज़र्व बैंक के अधिकारियों ने जानकारी दी कि आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी बैंकों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए पृथक काउंटर की व्यवस्था अनिवार्य है। साथ ही डोर-स्टेप बैंकिंग सुविधा के माध्यम से ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जो स्वयं बैंक आने में असमर्थ हैं, उन्हें घर बैठे जीवन प्रमाण पत्र, ई-केवाईसी, नकद भुगतान एवं अन्य आवश्यक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। डिजिटल लेन-देन के संबंध में बताया गया कि ऑनलाइन भुगतान करते समय सुरक्षा की दृष्टि से ट्रांजैक्शन पिन प्रत्येक छह माह में बदलना आवश्यक है। कार्यक्रम में डिजिटल अरेस्ट एवं ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई

राष्ट्रीय महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उमड़ा विशाल जनसैलाब

केन्द्र व राज्य सरकार आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित

- डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम नर्राटोला में अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी समाज द्वारा आयोजित शहीद गैंदसिंह नायक के शहादत दिवस समारोह में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार आदिवासियों के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने आदिवासी समाज को सहज, सरल, निश्चल, मेहनकश एवं स्वाभिमानी समाज बताते हुए कहा कि जनजातीय समाज का विरासत एवं संस्कृति अत्यंत वैभवशाली है। कैबिनेट मंत्री श्री वर्मा आज जिले के डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम नर्राटोला में अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी समाज द्वारा आयोजित शहीद गैंदसिंह नायक शहादत दिवस के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। मंत्री श्री वर्मा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय हल्बा, हल्बी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री मंतूराम पवार ने किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में डौण्डीलोहारा विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती अनिला भेड़िया, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष श्री रूप नारायण सिन्हा, पूर्व विधायक श्री जनक ठाकुर एवं श्री डोमेन्द्र भेड़िया, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री देवलाल ठाकुर, हल्बा, हल्बी समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जीआर राणा, अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री आरएस नायक, सेवा निवृत्त आईएएस श्री बीएल ठाकुर एवं श्री जीआर चुरेन्द्र, सेवा निवृत्त आईपीएस श्री जेआर ठाकुर, डॉ. जितेन्द्र मीणा सहित अन्य अतिथि एवं समाज प्रमुखगण उपस्थित थे। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने आदिवासी समाज के गौरवशाली विरासत के अलावा शहीद गैंदसिंह नायक के अदम्य वीरता के साहस एवं पराक्रम

के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के संबंध में भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अमर शहीद गैंदसिंह नायक ने अंग्रेजी हुकुमत के दमन एवं क्रूरता का प्रतिकार करने हेतु आदिवासी समाज को संगठित कर सन् 1824 एवं 1825 में अंग्रेजों के विरूद्ध क्रांति का शंखनाद किया था। इस तरह से शहीद गैंदसिंह नायक के नेतृत्व में आदिवासी समाज के द्वारा 1857 के क्रांति के पूर्व मध्य भारत के सघन आरण्य छत्तीसगढ़ में सर्वप्रथम क्रांति के लौ को प्रज्वलित की थी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी हुकुमत के द्वारा 20 जनवरी 1825 को शहीद गैंदसिंह नायक को सरेआम फांसी दे दी गई थी। इस तरह से देश के आजादी के क्रांति का सर्वप्रथम बिगुल फुंकने का कार्य आदिवासी समाज के महापुरूषों एवं जननायकों द्वारा प्रारंभ किया गया था। श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले केन्द्र सरकार एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा जनजातीय समाज के हितो की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा बस्तर के सुदर अंचलों में शिक्षा की बेहतर व्यवस्था के अलावा सड़क, पुल-पुलिया, बिजली, शुद्ध पेयजल आदि बुनियादी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 'हम न केवल आदिवासियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेंगे वरन उनके गौरवशाली विरासत एवं संस्कृति को भी वैश्विक पहचान दिलाने का कार्य करेंगे।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा सन् 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा भी उसी तर्ज पर 2047 तक छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने सुमधुर छत्तीसगढ़ी गीत की प्रस्तुति से सभी को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मंतूराम पवार ने हल्बा, हल्बी समाज के महत्ता एवं विरासत के अलावा कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

आपातकालीन जीवन रक्षक दवाओं में लग रही जीएसटी से मूल्यों में हुई वृद्धि

- बीपी शुगर जैसी बीमारियों की गोलियों में हो रही वृद्धि से मरीज परेशान

रायपुर। संवाददाता

फार्मासिटिकल्स कंपनियों द्वारा दवा निर्माण में लग रही लागत के अलावा केंद्रीय सरकार द्वारा जीवन रक्षक दवाओं एवं अन्य दवाओं में 18 प्रतिशत की वृद्धि से जहां मेडिकल स्टोर संचालक अच्छी खासी परेशानी भोग रहे है वहीं दवाओं के मूल्यों में हुई वृद्धि के चलते मरीजों की कमर टूट गई है। इस संबंध में रायपुर मेडिकल ड्रगिस्ट एवं केमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि इस पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री द्वारा जीएसटी कर हटाने से मरीजों को भारी राहत मिलेगी। ज्ञातव्य है कि राज्य शासन एवं केंद्रीय शासन द्वारा आपातकालीन दशा में मरीजों के लिए इन दिनों सरकारी एवं निजी क्षेत्र के अस्पतालों में अनेक योजनाएं चलाई जा रही है बावजूद इसके बीपी और शूगर जैसी दवाओं में आसामान छूती कीमतों ने मरीजों की हालत खराब कर दी है। उपभोक्ताओं सहित अनेक मरीज केंद्र सरकार से आग्रह किये है कि आपातकालीन जीवन रक्षक दवाओं सहित अन्य दवाईयों के मूल्यों में कमी करने के लिए जीएसटी कर हटाएं और यह संभव न हो तो जीएसटी करों की दरों में कमी करे। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जेनेरिक दवाओं के क्षेत्र में भी मरीजों को राहत पहुंचाने के प्रयास किये जा रहे है किंतु इस संबंध में लाइफ वर्थ सुपर स्पेशिलिटी हास्पिटल के चिकित्सक डॉ. अरूण केडिया एवं रामकृष्ण केयर हास्पिटल के चिकित्सक डॉ. जावेद खान के अनुसार एलोपेथिक दवाओं की तुलना में जेनेरिक दवाएं कम असर करती है। मरीज कोई दवा न लें इससे अच्छा है कि जेनरिक दवाओं का इस्तेमाल कर हल्की राहत ले सकते हैं। आपातकालीन मरीजों की चिकित्सा में अस्पतालों में जेनरिक दवाओं का रोल चिकित्सकों के अनुसार उतना असरकारी नहीं है।

गांजा परिवहन करते दो तस्कर पकड़ाये

रायपुर। जिले की थाना रतनपुर पुलिस व एसीसीयू की संयुक्त टीम के द्वारा मादक पदार्थ गॉजा परिवहन कर रहे दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 14.336 किलोग्राम गॉजा, 02 मोटर सायकल जब्त किया है। बता दें कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला बिलासपुर रजनेश सिंह के द्वारा जिले में नशे के व्यापारियों पर अंकुश लगाने, नशे के विरूद्ध लोगों को जागरूक करने लगातार अभियान चलाया जा रहा है। तथा अवैध नशे के व्यापारियों के विरूद्ध कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मधुलिका सिंह एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कोटा नूपूर उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निलेश पाण्डेय के नेतृत्व में टीम गठित कर अवैध शराब, गाँजा,नशीली दवाई बिक्री करने वालो के विरूद्ध रेड कार्यवाही करने हेतु मुखबिर तैनात किया गया है।

कांग्रेस पर किया तीखा हमला

ईडी की अफवाहों से लेकर बजट तक बोले चंद्राकर.....

रायपुर। संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर चल रही चर्चाओं और अफवाहों पर वरिष्ठ भाजपा नेता अजय चंद्राकर ने खुलकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनके खिलाफ तरह-तरह की बातें जानबूझकर फैलाई जा रही हैं, लेकिन वे राजनीति में हर तरह की चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं। विरोधियों पर निशाना साधते हुए चंद्राकर ने कहा कि राजनीतिक लड़ाई हमेशा आमने-सामने होती है, कमर के नीचे किए गए वार को युद्ध नहीं कहा जा सकता। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा—अब देखना यह है कि पहल कौन करता है। सोमवार को अपने निवास पर मीडिया से चर्चा करते हुए अजय चंद्राकर ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन की टीम में छत्तीसगढ़ के नेताओं को लाभ मिलेगा, क्योंकि वे यहां के नेताओं की कार्यक्षमता और राजनीतिक समझ से भली-भांति परिचित हैं। डीएड-बीएड अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें पहली बार जानकारी मिली है कि इस वर्ग के उम्मीदवार नौकरी को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। सरकार नियमानुसार नियुक्तियां निकालती है—विज्ञापन जारी होता है और पात्र अभ्यर्थी आवेदन करते हैं, इसी प्रक्रिया से भर्तियां होती हैं। 'जी राम जी' शब्द को लेकर कांग्रेस की आपत्ति पर अजय चंद्राकर ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को अगर आपत्ति है तो बिंदुवार बहस करे। उन्होंने कहा कि अगर सरकार से बहस करने का साहस नहीं है तो उनसे सीधे चर्चा कर लें। कांग्रेस के निराधार आरोपों का जवाब देना जरूरी नहीं समझते।

गुप्त नवरात्रि शुरू, श्रीमहामाया मंदिर में श्रीमद् भागवत् कथा प्रारंभ हुआ

- भव्य शोभायात्रा निकाली गई डोंगरगढ़ रतनपुर जाने वाले श्रद्धालुओं का लगा तांता
- बसंत पंचमी पर होंगे विशेष कार्यक्रम

रायपुर। संवाददाता

माघ की गुप्त नवरात्रि आज से प्रारंभ हो गई। ऐतिहासिक श्री महामाया मंदिर पुरानी बस्ती सहित डोंगरगढ़ एवं रतनपुर के माताओं के मंदिरों में विशेष पूजापाठ एवं अराधना पर्व शुरू हो गया है। आज से महामाया मंदिर, महामाया मंदिर वार्ड पुरानी बस्ती में मारूतिनंदनाचार्य वागीश जी महाराज का भागवत प्रवचन शुरू हो गया है। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। दोपहर 2.30 बजे भोग लगाया गया। प्रसादी विरतण किया गया। डोंगरगढ़ एवं रतनपुर जाने वाले भक्तों की भी संख्या बढ़ गई है। राजधानी सहित अनेक देवी मंदिरों में गुप्त नवरात्रि का कार्यक्रम शुरू हो गया है। 23 को बसंत पंचमी होने के कारण इसका महत्व और भी बढ़ गया है। महामाया मंदिर देवी समिति के अध्यक्ष व्यासनारायण तिवारी ने बताया कि राज राजेश्वरी महामाया देवी मंदिर के तत्वाधान में 19 जनवरी से 26 जनवरी तक गुप्त नवरात्रि महोत्सव व श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस कथा के प्रवचनकर्ता श्रद्धेय मारूतिनंदनाचार्य बागीश जी महाराज मथुरा वृंदावन वाले होंगे। इस कथा में गुप्त नवरात्रि के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा बाजा-गाजा के साथ निकाली जाएगी। मंदिर परिसर में अमीन पारा, लीली चौक, लाखेनगर, शारथी चौक, ब्राह्मण पारा, हनुमान मंदिर, कंकाल तालाब से होते हुए मंदिर परिसर से निकाली गई। कथा का प्रारंभ प्रथम 2 बजे 6 बजे तक होगा। प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक भागवत कथा दीप प्रज्वलन संध्या आरती तत्पश्चात प्रसाद वितरण होगा। 26 जनवरी को हवन पूजन, भण्डारा प्रसाद वितरण होगा। मंदिर की व्यवस्थापक विजय कुमार झा ने बताया कि श्रद्धालुओं को वेबसाइट के माध्यम से नित्य श्रृंगार दर्शन का लाभ दिया जाएगा। न्यास के सचिव दुर्गा प्रसाद पाठक ने कहा कि यह कार्यकर्ताओं के सहयोग से विशाल आयोजन किया जा रहा है।

वन विभाग का नवाचार बस्तर की इमली चटनी को राष्ट्रीय पहचान दिलाएंगी सुकमा की महिलाएं

रायपुर। बस्तर में इमली की चटनी को काफी पसंद किया जाता है द्य यह चटनी खाने में बहुत स्वादिष्ट होती है द्य सुकमा जिले में स्थानीय संसाधनों के उपयोग और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में बस्तर की प्रसिद्ध इमली से तैयार इमली चटनी को वन धन विकास केंद्र सुकमा के माध्यम से आधिकारिक रूप से लॉन्च किया जा रहा है। यह उत्पाद स्थानीय वनोपज का मूल्य संवर्धन करने के साथ-साथ बस्तर की पारंपरिक पहचान को राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने का प्रयास है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा किए गए अनुसंधान और गुणवत्ता मानकों के आधार पर यह चटनी तैयार की जा रही है। वन धन विकास केंद्र से जुड़ी नवा बिहान महिला स्व सहायता समूह की महिलाएँ इस चटनी के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं को निर्माण प्रक्रिया, स्वच्छता मानक, वैज्ञानिक विधि तथा आधुनिक पैकेजिंग संबंधी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और समूह की महिलाओं में आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

मुंगेली जिले में धान खरीदी में 8.14 करोड़ का फर्जी वाड़ा पकड़ में आया

- राइस मिलर संचालक एवं समिति प्रबंधक सहित 5 आरोपी गिरफ्तार
- चार फरार आरोपियों की पुलिस तलाश जारी
- फर्जी वाहन, ओवर लोडिंग व रिसायक्लिंग के मामले में जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

रायपुर/ संवाददाता

मुंगेली जिले में धान खरीदी एवं परिवहन के मामले में गड़बड़ी के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। आईसीसीसी मार्कफेड रायपुर से प्राप्त अलर्ट के आधार पर की गई जांच में धान के अवैध ओवरलोडिंग, फर्जी वाहनों से परिवहन तथा रिसायक्लिंग के गंभीर मामले उजागर हुए हैं। जांच में यह सामने आया कि धान उठाव करने वाले वाहनों द्वारा वास्तविक क्षमता से 200 प्रतिशत से लेकर 1116 प्रतिशत तक अधिक ओवरलोडिंग कर अवैध परिवहन किया गया। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल के निर्देशानुसार खाद्य विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई विस्तृत जांच में राइस मिलरों, समिति प्रबंधकों एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों द्वारा संगठित रूप से फर्जीवाड़ा कर शासन को 8 करोड़ 14 लाख रुपए से अधिक की आर्थिक क्षति पहुंचाने का खुलासा हुआ है। इस गंभीर प्रकरण में विभिन्न थानों में एफआईआर दर्ज कर 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि कुछ आरोपी फरार हैं। जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों द्वारा जानबूझकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए, पीडीएस चावल का वितरण नहीं किया गया, फर्जी वाहन नंबरों के माध्यम से धान का परिवहन दर्शाया गया तथा वास्तविक मात्रा से अधिक धान उठाव दिखाकर शासन को नुकसान पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में लगभग 11 लाख क्विंटल से अधिक धान की खरीदी एवं परिवहन में अनियमितता के प्रमाण मिले हैं। नवागांव घुठेरा समिति द्वारा उपलेटा राइस मिल से मिलीभगत कर 74 जीपीएस युक्त एवं 40 से अधिक बिना जीपीएस वाहनों के माध्यम से धान का अवैध परिवहन किया गया। इसी प्रकार, सिंघनुपरी उपार्जन केन्द्र द्वारा एसएस फूड के साथ मिलकर 4,542 क्विंटल धान का बिना जीपीएस वाहन से परिवहन, छटन उपार्जन केन्द्र द्वारा दीपक राइस मिल एवं नवकार मिल के साथ मिलकर 3,589 क्विंटल धान का अवैध परिवहन तथा झगरहट्टा उपार्जन केन्द्र द्वारा वर्धमान राइस मिलर्स के साथ अनियमितता किए जाने पर कार्रवाई की गई है।

राज्य आपदा मोचन निधि की राज्य कार्यपालिक समिति की बैठक सम्पन्न

जिलों के प्रस्ताव एवं रायपुर शहर बाढ़ से मुक्त करने हेतु प्रस्तावों पर व्यापक चर्चा की गई.....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य आपदा मोचन तथा आपदा न्यूनीकरण निधि की बैठक सम्पन्न हुई। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत जिलों के प्रस्ताव एवं रायपुर शहर बाढ़ से मुक्त करने हेतु प्रस्तावों पर व्यापक चर्चा की गई एवं प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में भारत सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों के तहत सभी जिलों में राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा प्रशिक्षण तथा जिला स्तर पर बाढ़ से बचाव के प्रशिक्षण की स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्य सचिव ने राज्य कार्यपालिक समिति की बैठक में ऐसे जिले जहां प्रतिवर्ष बाढ़ की संभावना रहती है, वहां बाढ़ आपदा से निपटने के लिए पहले से ही व्यापक कार्ययोजना तैयार कर लेने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। इससे बाढ़ आपदा के समय त्वरित सहायता प्रभावितों और पीड़ितों को दी जा सकेगी। मुख्य सचिव ने कहा है कि राज्य आपदा एवं न्यूनीकरण निधि से निर्धारित मापदण्डों के अनुसार बाढ़ प्रभावित जिलों में सड़क, जल संग्रहण एवं वॉटर रिचार्जिंग सहित अन्य आवश्यक निर्माण कार्यों को तकनीकी परीक्षण कराकर ठोस कार्य मजबूती से करायें। उन्होंने पिछली वर्षांत में बाढ़ प्रभावित इलाकों में हुए प्रभावित संरचनाओं के स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए है। मुख्य सचिव ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा मोचन निधि की कार्ययोजना और प्रतिवेदन एवं समय पर राज्य कार्यपालिक समिति को उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की गाईड लाईन का भलीभांति अध्ययन कर आपदा प्रभावित निर्माण कार्यों को गुणवत्ता एवं मजबूती से करायें। बैठक में राज्य के बस्तर संभाग में अगस्त 2025 में हुई भारी मूसलाधार बारिश के कारण दंतेवाड़ा, बस्तर, सुकमा एवं बीजापुर में बाढ़ से निर्मित स्थिति के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि से निर्माण कार्यों में विभिन्न जिलों में पुलिया, तटबंध, स्टापडेम, रिटर्निंगवाल, सड़क आदि के निर्माण कार्यों के प्रस्ताव प्रस्तुत किए जिस पर व्यापक चर्चा की गई एवं जरूरी कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

संपादकीय

जैव विविधता संरक्षण की कठिन होती चुनौती

नववर्ष के प्रारंभ में 83 वर्षीय डॉ. माधव गाडगिल का निधन न केवल भारत के एक उच्च शिक्षित पर्यावरणविद् को खोने का बड़ा नुकसान है, बल्कि उनके निधन से हमने देश में जैव विविधता संरक्षण की उम्मीदों को भी काफी हद तक झकझोर दिया है. गाडगिल ऐसे समय में हमें छोड़कर चले गए जब प्रकृति संरक्षण के आंदोलन को नेतृत्व देने की सबसे अधिक आवश्यकता थी, जो इस समय अत्यंत नाजुक दौर से गुजर रहा है. वैज्ञानिक सोच वाले एक पर्यावरणविद् के रूप में, उन्होंने पर्यावरण और जैव विविधता के संरक्षण के अपने प्रयास वैश्विक विचारकों और विशेषज्ञों द्वारा खतरों की भविष्यवाणी करने और 1992 में ब्राजील के रियो में पहले पृथ्वी शिखर सम्मेलन के लिए एकत्रित होने से कई साल पहले ही शुरू कर दिए थे. यह महत्वपूर्ण बात है. माधव गाडगिल को उनके लंबे और उतार-चढ़ाव भरी यात्रा में किए गए अन्य प्रयासों के साथ-साथ नाजुक पश्चिमी घाटों की रक्षा के प्रयासों के लिए कई शानदार श्रद्धांजलियां अर्पित की गई हैं. मैं यह लेख जैव विविधता संरक्षण के लिए उनके योगदान को उजागर करने के लिए लिख रहा हूं. उन्होंने भविष्य में प्रकृति को होने वाले तीव्र नुकसान को भांपते हुए कानूनी उपाय लाने में मदद की. यह उनका मौलिक कार्य था. यदि जैव विविधता- पक्षी, कीट, उभयचर, मधुमक्खियां, तितलियां, पेड़, झाड़ियां, जल निकाय, घास के मैदान आदि - लुप्त हो जाए तो मानव जाति का अस्तित्व निश्चित रूप से समाप्त हो जाएगा. प्राचीन लोग और हमारे पूर्वज इसके महत्व को जानते थे और उन्होंने प्रकृति के साथ उस निर्दयता से छेड़छाड़ नहीं की, जैसा कि हम आज रोजाना देख रहे हैं. वर्ष 1971 में, गाडगिल ने वनों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए पारिस्थितिक क्षेत्र अध्ययन शुरू किया. 'हरित क्रांति' के नायक डॉ. एमएस स्वामीनाथन, जिन्हें इंदिरा गांधी के नेतृत्व में 1980 में स्थापित भारत के पहले पर्यावरण विभाग को आकार देने का श्रेय भी दिया जाता है, ने 1983 में उन्हें पश्चिमी घाट का व्यवस्थित अध्ययन शुरू करने के लिए कहा, जब गाडगिल बेंगलुरु स्थित प्रख्यात भारतीय विज्ञान संस्थान में प्रोफेसर थे. वहीं से उन्होंने ऐसे शोध कार्यों में रुचि रखने वाले उत्साही युवा छात्रों को एकत्रित करना शुरू किया. पक्षी प्रजातियों और उनके आवासों के व्यापक अध्ययन के लिए उत्तर कन्नड़ जिले को चुना गया और फिर 1992 में प्रकाशित एक लेख में, गाडगिल और उनके छात्रों ने लंबे समय से चली आ रही इस धारणा को चुनौती दी कि पक्षियों और पौधों की विविधता एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं.
तब तक इसे 'पारंपरिक मान्यता' माना जाता था. उन्होंने इसे गलत साबित किया. गाडगिल ने न केवल पौधों, पक्षियों और कीटों की प्रजातियों पर काम किया, बल्कि उन्होंने बाघ जैसे विशालकाय स्तनधारियों का भी अध्ययन किया और बाघ सुरक्षा बल में भी योगदान दिया. हालांकि उनके जिस काम ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया, वह था जन जैव विविधता रजिस्टर (पीबीआर) की अवधारणा. रियो शिखर सम्मेलन में जैव विविधता पर एक सम्मेलन (सीबीडी) का सूत्रपात हुआ, जिसके फलस्वरूप भारत में जैव विविधता अधिनियम 2002 के रूप में एक कानून संसद ने बनाया. यह दो महान विद्वानों - डॉ. स्वामीनाथन और डॉ. गाडगिल - का प्रारंभिक और संयुक्त प्रयास था, जिसकी शुरुआत 1998 में हुई थी; अधिनियम कुछ वर्षों बाद पारित हुआ. उक्त अधिनियम के तहत यह अनिवार्य किया गया था कि सभी स्थानीय निकाय, ग्रामीण और शहरी - पंचायतें, नगर पालिकाएं, महानगर पालिकाएं - केवल प्रलेखन के बजाय अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में जैव विविधता प्रबंधन समितियां (बीएमसी) स्थापित करें, जिससे स्थानीय समुदायों को व्यापक आधार पर प्रबंधन गतिविधियां करने का अधिकार मिले. पर्यावासों, स्थानीय प्रजातियों, लोक किस्मों और खेती की जाने वाली प्रजातियों तथा सूक्ष्मजीवों का ऐसा दस्तावेजीकरण भावी पीढ़ियों के लाभ के लिए संरक्षण के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया गया था. यह कानून आज भी लागू है पर कम ही नगर निकाय इस पर काम कर रहे हैं.
पुणे के रहने वाले गाडगिल ने पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए अपनी पूरी कोशिश की, लेकिन हाल ही में वे सब जगह हो रही भीषण तबाही को लेकर चिंतित थे.

पढ़ने की लौ एवं किताबों से नाता अटूट है

दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में एक प्रतीकात्मक उत्सव बन चुका है। इस मेले में विश्वप्रसिद्ध लेखकों का आगमन होता है, साहित्यिक संवाद, विमर्श और चर्चाएं होती हैं। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स जैसे विश्व साहित्य के स्तंभों से लेकर भारतीय भाषाओं के महान साहित्यकारों तक की रचनाएं यहाँ पाठकों को एक साथ उपलब्ध होती हैं। यह मेला भारतीय साहित्य को वैश्विक मंच देता है और साथ ही विश्व साहित्य को भारतीय पाठकों से जोड़ता है। पुस्तकों को 'ज्ञान का बाग' कहा गया है। जो व्यक्ति पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर लेता है, उसे जीवन भर ज्ञान का संबल मिलता है। कठिन समय में पुस्तकें मित्र की तरह साथ देती हैं, मार्गदर्शन करती हैं और समाधान की दिशा दिखाती हैं।

ललित गर्ग

53वें भारत मंडपम् में 10 से 18 जनवरी 2026 तक नौ दिनों के किताबों के जमावडे ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि किताबों से नाता कभी नहीं टूट पायेगा। इस मेले में 35 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशक भाग ले रहे हैं। यह भव्य विश्व पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की खरीद-फरोख्त का आयोजन नहीं है, बल्कि यह उस जीवंत पुस्तक-संस्कृति का उत्सव है, जिसे अनेक लोग डिजिटल युग में कमजोर मानने लगे थे। एक-एक किलोमीटर लंबी कतारें, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की उत्सुक भागीदारी और पुस्तकों के प्रति बढ़ता आकर्षण इस धारणा को स्वस्थ करता है कि पुस्तकें जीवन का अभिन्न हिस्सा रही हैं और भविष्य में भी रहेंगी। इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं अन्य इलेक्ट्रोनिक माध्यमों पर अपार पाठ्य सामग्री एवं साहित्य उपलब्ध होने के बावजूद पुस्तक मेलों में इतनी भीड़ क्यों आ रही है? छपी हुई पुस्तकें एवं शब्द केवल ज्ञान, जिज्ञासा और मनोरंजन की विशाल दुनिया के दरवाजे नहीं खोलते, वे हमें गंध, स्पर्श, संवेदना, सोच, अनुभूति की प्रेरक, अनुकरणीय एवं रोमांचक दुनिया में भी ले जाते हैं। इस वर्ष के पुस्तक मेले के दृश्य पुस्तक-संस्कृति के प्रति नई आशा, नया विश्वास और नया उत्साह पैदा करते हैं। यह मेला स्पष्ट संकेत देता है कि पढ़ने की प्रवृत्ति केवल जीवित ही नहीं है, बल्कि नए पंखों के साथ उड़ान भर रही है।

पुस्तक मेला वस्तुतः एक विश्व उत्सव है-ऐसा उत्सव जो ज्ञान, विचार, कल्पना और संवाद को एक साझा मंच देता है। दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उन्हें प्रोत्साहित करने और संस्कृतियों को जोड़ने के लिए यह आयोजन अतीत और भविष्य के बीच एक मजबूत कड़ी तथा पीढ़ियों और सभ्यताओं के बीच एक सेतु का कार्य करता है। यही कारण है कि यूनेस्को हर वर्ष पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों- प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों के अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करता है, ताकि पुस्तक-संस्कृति की प्रेरणा पूरे वर्ष बनी रहे। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि पुस्तकें

केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक संवाद और मानवीय एकता का भी आधार हैं। किताबें अपने सभी रूपों में- मुद्रित, ई-बुक, ऑडियो हमें सीखने, सोचने और स्वयं को सशक्त बनाने का अवसर देती हैं। वे हमारा मनोरंजन करती हैं, हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं और दूसरों की दुनिया में झांकने का अवसर देती हैं। इस साल का मेला 'भारतीय सैन्य इतिहासः वीरता और ज्ञान/75' थीम पर आधारित है, जो भारत की रक्षा बलों के महत्वपूर्ण पलों, योगदानों और कहानियों पर ध्यान केंद्रित करता है। 'थीम मंडप 2026' दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। यह मंडप भारत की सैन्य विरासत के 75 वर्षों की ऐतिहासिक और निर्णायक यात्रा को दिखा रहा है, जिसकी जड़ें शौर्य, प्रज्ञा और नैतिक मूल्यों में निहित हैं. इसमें कथाओं, दृश्यात्मक प्रस्तुतियों और संवाद के माध्यम से 1947 से लेकर ऑपरेशन सिंदूर 2025 तक भारत की सैन्य यात्रा को रेखांकित करता है।

दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में एक प्रतीकात्मक उत्सव बन चुका है। इस मेले में विश्वप्रसिद्ध लेखकों का आगमन होता है, साहित्यिक संवाद, विमर्श और चर्चाएं होती हैं। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स जैसे विश्व साहित्य के स्तंभों से लेकर भारतीय भाषाओं के महान साहित्यकारों तक की रचनाएं यहाँ पाठकों को एक साथ उपलब्ध होती हैं। यह मेला भारतीय साहित्य को वैश्विक मंच देता है और साथ ही विश्व साहित्य को भारतीय पाठकों से जोड़ता है। पुस्तकों को 'ज्ञान का बाग' कहा गया है। जो व्यक्ति पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर लेता है, उसे जीवन भर ज्ञान का संबल मिलता है। कठिन समय में पुस्तकें मित्र की तरह साथ देती हैं, मार्गदर्शन करती हैं और समाधान की दिशा दिखाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक और सार्वदेशिक है। किसी भी युग में, किसी भी तकनीकी आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता। इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी अनेक क्रांतियां आई हैं और आगे भी आएंगी, लेकिन पुस्तक-संस्कृति अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता बनाए रखेगी। कारण स्पष्ट है-पुस्तकें केवल सूचना नहीं देतीं, वे चिंतन, मनन और विवेक का विकास करती हैं।

तकनीक ने ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति अवश्य की है, लेकिन यह हर समय संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर केवल स्क्रीन से पढ़ा जाए। पुस्तक का स्पर्श, उसकी सुगंध, पन्नों को पलटने का अनुभव और पढ़ते हुए होने वाला एकांत संवाद-ये सभी तत्व पुस्तक को विशिष्ट बनाते हैं। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं, सोचने-समझने का दायरा बढ़ाती हैं और व्यक्ति को आत्मअनुशासन सिखाती हैं। पुस्तकें जाग्रत देवता के समान हैं। उनका अध्ययन, मनन और चिंतन तत्काल लाभ देता है। महात्मा गांधी के जीवन पर गीता, टॉल्स्टॉय और थोरो के विचारों का गहरा प्रभाव था। इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैचारिक निर्माण और वैश्विक छवि के निर्माण में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे स्वयं एक सजग पाठक रहे हैं और पुस्तक-संस्कृति को जीवंत करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' जैसे अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से पढ़ने, लिखने और विचार करने की संस्कृति को जन-जन तक पहुँचाया है। उनका संदेश 'बुकें दे, बुके नहीं' केवल एक प्रतीकात्मक नारा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक दृष्टि है-जहाँ उपहार में फूलों के गुलदस्ते की बजाय ज्ञान का उपहार देने की प्रेरणा दी गई है। वे मानते हैं कि सत्साहित्य की शक्ति तोप, टैंक और परमाणु अस्त्रों से भी अधिक है, क्योंकि हथियार ध्वंस करते हैं, जबकि साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करता है और स्थायी परिवर्तन लाता है। सत्साहित्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है-ऐसा परिवर्तन जो सत्ता और कानून से किए गए परिवर्तनों से कहीं अधिक टिकाऊ होता है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी भारत के परिवर्तन में पुस्तक-संस्कृति और सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका को स्वीकारते हैं। उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा, स्थानीय साहित्य का सम्मान और पठन-संस्कृति को प्रोत्साहन देने की दिशा में ठोस पहलें देखने को मिलती हैं। पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार-प्रसार से युवाओं को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा का भंडार हैं, उन्हें पढ़कर व्यक्ति के भीतर कुछ महान करने की आकांक्षा जागती है। वे कल्पवृक्ष भी हैं और कामधेनु भी, क्योंकि उनकी छाया में मनुष्य अपनी आंतरिक क्षमताओं को पहचानता है। आज का इंसान घर बदलता है, पहनावा बदलता है, रिश्ते और मित्र बदलता है, फिर भी असंतुष्ट रहता है क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया छोड़ दी है। पुस्तकें व्यक्ति को बदलने का मार्ग दिखाती हैं-सोच, व्यवहार और दृष्टि को सकारात्मक दिशा देती हैं। जब तक व्यक्ति स्वयं को नहीं बदलता, वह अपनी मंज़िल नहीं पा सकता। आत्मानुशासन, आत्मचिंतन और आत्मविकास-ये सभी पुस्तक-संस्कृति की देन हैं।

इंटरनेट और ई-पुस्तकों की बढ़ती पहुँच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है। वे आज भी प्रासंगिक हैं और रहेंगी। हजारीप्रसाद द्विवेदी का कथन- 'साहित्य वह जादू की छड़ी है, जो पशुओं में, ईंट-पत्थरों में और पेड़-पौधों में भी विश्व की आत्मा का दर्शन करा देती है ', आज भी उतना ही सार्थक है। निश्चित ही, विश्व पुस्तक मेला की प्रेरणा भारतीय जन-चेतना को झकझोर रही है और उन्हें नए भारत-सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है। साररूप में यह कहा जा सकता है कि दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला पुस्तक-संस्कृति और पढ़ने की प्रवृत्ति को नए पंख देने वाला एक अत्यंत उपयोगी और प्रासंगिक आयोजन है। इसका उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तकें ज्ञान का वाहक हैं जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं, सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। यह मेला केवल पुस्तकों का नहीं, विचारों का, संस्कारों का और भविष्य का मेला है-जहाँ शब्द समाज का निर्माण करते हैं और पन्ने इतिहास की दिशा तय करते हैं।

नवाचार, समावेशन और भारत की प्रगति को गति देते हैं 'स्टार्टअप'

पीयूष गोयल

स्टार्टअप इंडिया पहल पूरे देश में एक समग्र और नई सोच वाले इकोसिस्टम के रूप में विकसित हुई है। यह युवाओं की उद्यमशील ऊर्जा को रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को तेज करने की दिशा में लगाकर, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के मिशन को साकार करने का मार्ग तैयार कर रही है। भारत में आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक मौजूद है। यह परिवर्तन रातों-रात नहीं हुआ। जब प्रधानमंत्री ने 2015 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से 'स्टार्टअप इंडिया' की घोषणा की, तब उन्होंने एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी दृष्टि रखी कि उद्यमिता देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचे। 16 जनवरी, 2016 को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.) की ओर से शुरू किए जाने के बाद से स्टार्टअप देश की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई ऊर्जा भर रहे हैं। आई.टी. सेवाएं, स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान, शिक्षा, कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। इसके अलावा, जलवायु तकनीक और अवसंरचना सहित 50 से अधिक अन्य उद्योगों में भी नए उद्यम सामने आए हैं।

नवाचार और ए.आई. : वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत का रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर पिछले वर्ष 38वें स्थान पर पहुंच गया और गहन तकनीक से जुड़े स्टार्टअप्स को सरकार का समर्थन इसे आगे और बेहतर करेगा। गहन तकनीक वाला राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के तहत नैशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना तथा इंडिया ए.आई. मिशन और रिसर्च डिवैल्पमैंट एंड इनोवेशन योजना की शुरुआत की गई है। भारत के स्टार्टअप एयरोनॉटिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, रोबोटिक्स, हरित तकनीक, इंटरनैट ऑफ थिंग्स और सैमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार कर रहे हैं। भारतीय स्टार्टअप्स ने 16,400 से अधिक नए पेटैंट आवेदन दाखिल किए हैं, जो मौलिक नवाचार, दीर्घकालिक मूल्य सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है।

अखिल भारतीय विकास : वर्ष 2016 में केवल 4 राज्यों में स्टार्टअप नीतियां थीं, जबकि आज भारत के 30 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष स्टार्टअप ढांचे मौजूद हैं। अब तक 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है, जो नीति-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के एक दशक के सतत् विकास को दर्शाता है। केवल 2025 में ही 49,400 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिली, जो स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के बाद सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि है। समावेशन इस पूरी यात्रा की एक मजबूत आधारशिला रहा है। महिला नेतृत्व वाले उद्यम एक बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं, जहां 45 प्रतिशत से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में कम से कम 1 महिला निदेशक है। इसके अलावा, लगभग आधे स्टार्टअप गैर-मैट्रो शहरों में स्थित हैं, जो नवाचार और रोजगार के नए केंद्र के रूप में टियर-2 और टियर-3 शहरों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

लोकल से ग्लोबल : जैसे-जैसे भारतीय स्टार्टअप्स का विस्तार हो रहा है, पूरी दुनिया उनके लिए बाजार बनती जा रही है। अब 21 अंतरराष्ट्रीय ब्रिज और 2 रणनीतिक गठबंधन मौजूद हैं, जो यू.के., जापान, दक्षिण कोरिया, स्वीडन और इसराईल सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बाजार तक पहुंच, सहयोग और विस्तार को आसान बनाते हैं। इन पहलों से अब तक 850 से अधिक स्टार्टअप्स लाभान्वित हो चुके हैं।

सुधार और बाजार तक पहुंच : इस विकास को संभव बनाने में कारोबार करने में आसानी में सुधार एक मुख्य आधार रहा है। पात्र स्टार्टअप अपने पहले 10 वर्षों में से किन्हीं भी 3 लगातार वर्षों के लिए कर अवकाश का लाभ ले सकते हैं।

बचत और खर्च का असंतुलनः नये भारत के लिए बड़ी चुनौती

भारतीय परंपरा में बचत को केवल आर्थिक क्रिया नहीं, बल्कि एक सद्गुण माना गया है। 'आज की बचत, कल का संबल' जैसी कहावतें हमारे सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही हैं। गृहस्थ जीवन में संतुलन, संयम और संचय को जीवन-मूल्य के रूप में स्वीकार किया गया। बच्चों की गुल्लक, अनाज के कोठार, गहनों के रूप में सुरक्षित धन, और त्योहारों पर सीमित व सादगीपूर्ण खर्च-ये सब भारतीय जीवनशैली के अभिन्न अंग थे। संकट के समय भारतीय परिवार किसी के सामने हाथ फैलाने की बजाय अपनी जमा पूंजी और संसाधनों पर भरोसा करता था। यह आत्मनिर्भरता भारतीय समाज की शक्ति रही है। लेकिन बदलती जीवनशैली और बाजार-प्रेरित संस्कृति ने इस परंपरा को कमजोर किया है। आज 'जियो अभी' की मानसिकता, आसान कर्ज, ईएमआई संस्कृति, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया पर दिखावे की प्रतिस्पर्धा ने खर्च को एक प्रकार की पहचान बना दिया है। उपभोग अब आवश्यकता से अधिक आकांक्षा से संचालित होने लगा है।

महामारी के बाद की दुनिया केवल स्वास्थ्य के स्तर पर ही नहीं, बल्कि आर्थिक सोच और व्यवहार में भी एक बड़े संक्रमण से गुज़री है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ती महंगाई, तकनीक-आधारित बाजार और उपभोक्तावादी संस्कृति के तीव्र प्रसार ने लोगों की खर्च करने की प्रवृत्ति को असाधारण रूप से बढ़ा दिया है। इस बदलाव का सबसे गहरा असर घरेलू बचत पर पड़ा है। भारत सहित अनेक देशों में घरेलू बचत दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर पहुंच चुकी हैं। उपभोग बढ़ रहा है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक बचत निरंतर घटती जा रही है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चिंता का विषय भी बनती जा रही है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू बचत सदैव विकास की रीढ़ रही है। बुनियादी ढांचे से लेकर औद्योगिक निवेश तक, भारत की विकास गाथा में घरेलू बचत की भूमिका निर्णायक रही है। परंतु आज स्थिति यह है कि विशेषकर युवा पीढ़ी में बचत की दर 10 से 15 प्रतिशत तक सिमट गई है। यह आंकड़ा किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब बचत और खर्च के बीच असंतुलन एक गंभीर चेतावनी के रूप में सामने आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में युवाओं की भूमिका को हमेशा निर्णायक माना है और वे बार-बार यह संदेश देते रहे हैं कि बचत केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है। उनके अनुसार उपभोग से पहले बचत की संस्कृति युवाओं में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और दीर्घकालिक सोच का विकास करती है। जन-धन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, डिजिटल बचत और निवेश के माध्यमों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि छोटे-छोटे नियमित निवेश भविष्य की बड़ी आर्थिक शक्ति बनते हैं। मोदी का विचार है कि जब युवा वर्ग आज अनावश्यक खर्च से बचकर बचत और उत्पादक निवेश की ओर अग्रसर होगा, तभी भारत की अर्थव्यवस्था

स्थिर, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगी; क्योंकि आत्मनिर्भर युवा ही सशक्त भारत की सबसे बड़ी पूंजी है।

भारतीय परंपरा में बचत को केवल आर्थिक क्रिया नहीं, बल्कि एक सद्गुण माना गया है। 'आज की बचत, कल का संबल' जैसी कहावतें हमारे सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही हैं। गृहस्थ जीवन में संतुलन, संयम और संचय को जीवन-मूल्य के रूप में स्वीकार किया गया। बच्चों की गुल्लक, अनाज के कोठार, गहनों के रूप में सुरक्षित धन, और त्योहारों पर सीमित व सादगीपूर्ण खर्च-ये सब भारतीय जीवनशैली के अभिन्न अंग थे। संकट के समय भारतीय परिवार किसी के सामने हाथ फैलाने की बजाय अपनी जमा पूंजी और संसाधनों पर भरोसा करता था। यह आत्मनिर्भरता भारतीय समाज की शक्ति रही है। लेकिन बदलती जीवनशैली और बाजार-प्रेरित संस्कृति ने इस परंपरा को कमजोर किया है। आज 'जियो अभी' की मानसिकता, आसान कर्ज, ईएमआई संस्कृति, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया पर दिखावे की प्रतिस्पर्धा ने खर्च को एक प्रकार की पहचान बना दिया है। उपभोग अब आवश्यकता से अधिक आकांक्षा से संचालित होने लगा है। अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूटती जा रही है। विशेषकर जेन-जी और युवा मिलेनियल पीढ़ी के लिए बचत एक बोझ या भविष्य की अस्पष्ट चिंता जैसी प्रतीत होने लगी है। यह स्थिति भारतीय दर्शन की मूल भावना के विपरीत है। भारतीय विचार परंपरा न अति भोग की पक्षधर है, न अति त्याग की। संयम, संतुलन और विवेक का मार्ग ही श्रेष्ठ माना गया है। यही सिद्धांत आर्थिक जीवन में भी लागू होता है। उपभोग आवश्यक है, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था गतिशील रहती है, रोजगार सृजन होता है और नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है। परंतु जब खर्च अनियंत्रित हो जाए और बचत उपेक्षित हो जाए, तब व्यक्ति ही नहीं, समाज और राष्ट्र भी असुरक्षित हो जाते हैं। अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूट रही है। भारतीय आर्थिक सोच में बचत को आर्थिक सुरक्षा और विकास का आधार माना जाता है, जहाँ घर-परिवार की आय का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 70 प्रतिशत) घरेलू बचत से आता है, जो सोने, स्थायी जमा और पीपीएफ जैसी योजनाओं में होता है, लेकिन नई पीढ़ी में 'खर्च करो' की सोच बढ़ी है, जिससे बचत की दरें घट रही हैं।

बीजापुर में घर तोड़ो, ठेकेदार को जमीन दो : भाजपा की डबल इंजन नीति पर विधायक विक्रम मंडावी का तीखा हमला

विधायक मंडावी ने उठाई दोहरी नीति पर सवाल, भाजपा नेता की जमीनों की मांगी जांच

बीजापुर। जिला मुख्यालय के चटटानपारा क्षेत्र में विधायक विक्रम मंडावी एवं सीपीआई के जिला सचिव कमलेश झाड़ी ने संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार, जिला प्रशासन बीजापुर तथा नगर पालिका परिषद बीजापुर ने चटटानपारा में 100 से अधिक पक्के एवं कच्चे मकानों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया। इस अमानवीय कार्रवाई की जितनी निंदा की जाए, वह कम है। ऐसी घटनाएँ किसी भी परिवार के साथ नहीं होनी चाहिएं। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा, छत्तीसगढ़ प्रदेश, विशेषकर बस्तर संभाग, संविधान की पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है। यह आदिवासी बहुल क्षेत्र है। ऐसे में बीजापुर जैसे आदिवासी क्षेत्र में आदिवासियों के ही मकानों पर बुलडोजर चलाना समझ से परे है।

उन्होंने आगे कहा कि एक ओर भाजपा की डबल इंजन सरकार नक्सलियों को जमीन, मकान, नौकरी एवं अन्य सुविधाएँ प्रदान कर रही है, वहीं दूसरी ओर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र के नक्सल पीड़ित गरीब आदिवासी परिवारों तथा नक्सलियों से सीधी लड़ाई लड़ रहे डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) जवानों के मकानों को अमानवीय तरीके से ध्वस्त किया जा रहा है। यह दोहरी नीति क्यों अपनाई जा रही है? विधायक मंडावी ने भाजपा के नेता, जिला महामंत्री और ठेकेदार संजय लुंकड़ की जमीनों की गहन जांच की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि संजय लुंकड़ (जो भाजपा नेता, जिला महामंत्री तथा ठेकेदार हैं) को निम्नलिखित जमीनें प्राप्त हुई हैं, नए पुलिस लाइन के पास 5 एकड़ जमीन, पुरानी पुलिस लाइन, एनएच के किनारे 35 डिसमिल जमीन, बीजापुर ट्रैफिक ऑफिस के पास परिजन के नाम पर 5 डिसमिल जमीन, जैतालुर पेट्रोल पंप के पास 30 डिसमिल जमीन, अपने निवास के पास 10 डिसमिल जमीन, पेट्रोल पंप खोलने हेतु 20 सूत्रीय जमीन जो पहले एनएच से दूर पीछे की ओर थी, लेकिन एनएच पर दिखाकर पेट्रोल पंप स्थापित किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने संजय लुंकड़ को ये जमीनें कैसे आवंटित कीं? इसके मानदंड क्या थे? सरकार इनकी गहन जांच कराए और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करे, ताकि बीजापुर वासियों को पता चले कि यहाँ जमीनों का अतिक्रमण, कब्जा एवं पटटा किस आधार पर दिया जाता है। सीपीआई के जिला सचिव कमलेश झाड़ी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लगातार आदिवासियों को प्रताड़ित कर रही है तथा उनके जल, जंगल और जमीन को पूंजीपतियों, ठेकेदारों एवं प्रभावशाली व्यक्तियों को सौंप रही है। इसके साथ ही प्रभावित परिवारों को तत्काल उचित मुआवजा एवं उसी स्थान पर वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराया जाए, ऐसी कार्रवाइयों पर रोक लगाई जाए, विशेषकर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में। संजय लुंकड़ सहित सभी प्रभावशाली व्यक्तियों की जमीन आवंटन की निष्पक्ष जांच हो। इसके साथ ही विधायक विक्रम मंडावी ने भाजपा से पूछा कि क्या भाजपा बुलडोज़र कार्यवाही का समर्थन करती है या विरोध भाजपा इसे स्पष्ट करे। प्रेस वार्ता के दौरान बड़ी संख्या में पीड़ित परिवार और स्थानीय लोग मौजूद थे।

किरंदुल में श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ श्री सुंदरकांड पाठ

किरंदुल। हनुमान भक्तों की श्रद्धामय उपस्थिति में किरंदुल चेंबर ऑफ कॉमर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में मेन मार्केट किरंदुल में श्री सुंदरकांड पाठ का पवित्र एवं भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर के व्यापारी, नागरिक और श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए और सामूहिक सुंदरकांड पाठ के माध्यम से भक्तिमय वातावरण निर्मित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुआ। सुंदरकांड पाठ के दौरान राम नाम, हनुमान भक्ति और मंगल पाठ से पूरा बाजार क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आया। श्रद्धालुओं ने परिवार सहित सहभागिता कर आयोजन की शोभा बढ़ाई और पुण्य लाभ अर्जित किया। सुंदरकांड पाठ के समापन पर खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण की और आयोजन समिति की व्यवस्थाओं का सराहना किया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सरोकार का भी सुंदर उदाहरण देखने को मिला। नगर की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सफाई कर्मियों का सम्मान कर उनके कार्य की सराहना की गई। सम्मान समारोह के माध्यम से समाज में स्वच्छता कर्मियों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का सकारात्मक संदेश दिया गया। किरंदुल चेंबर ऑफ कॉमर्स एसोसिएशन की संचालन समिति ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, व्यापारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया। समिति ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में आपसी सद्भाव, सेवा भावना और सकारात्मक सोच को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान चेंबर ने नगर में आध्यात्मिक और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत् 20 युवा छात्र छात्राओं को नारायणपुर से केवडिया गुजरात के लिए किया गया रवाना

नारायणपुर। गृह मंत्रालय भारत सरकार के प्रोत्साहन स्वरुप आदिवासी युवाओं के विकास के लिए नेहरु युवा केन्द्र संगठन, कांकेर एवं क्षेत्रीय मुख्यालय (भुवनेश्वर) भारत तिब्बत सीमा पुलिस के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित किये जा रहे 17वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के तहत् 53वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के नेतृत्व में जिला नारायणपुर के नक्सल प्रभावित गाँव के 18 से 19 वर्ष के 20 युवा छात्र छात्राओं (12 छात्र एवं 08 छात्राओं) के समूह को 18 जनवरी 2026 को संजय कुमार, सेनानी 53वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के मार्गदर्शन में संजय कुमार भारद्वाज, द्वितीय कमान द्वारा सामरिक मुख्यालय 53वीं वाहिनी नारायणपुर से केवडिया गुजरात के लिए हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में संजय कुमार भारद्वाज, द्वितीय कमान भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल द्वारा सभी युवा छात्रा छात्रों से परिचय प्राप्त करते हुए उनका स्वागत किया तथा 17वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के मुख्य उददेश्य जनजातीय लोगों का वह समूह जिसकी भाषा, संस्कृति, जीवनशैली और आर्थिक तथ्यों सामाजिक परिस्थितियाँ भिन्न-भिन्न होती है तथा सभी जनजातियाँ भारत के विशिष्ट भौगौलिक क्षेत्रों में निवास करती है। युवाओं को उनकी विभिन्न विकासात्मक, कौशल विकास, शैक्षणिक एवं रोजगार के अवसरों पर ध्यान केन्द्रीत करने के साथ-साथ उन्हें भारत के अलग-अलग राज्यों की भाषा, संस्कृति, जीवनशैली एवं तकनीकी तथा औधोगिक उन्नती के बारे में जानकारी प्रदान करवाना है। इस प्रकार से छात्राओं और युवाओं को देश के दूसरे भागों में रहने वाले अपने सहकर्मी समूहों के साथ बातचीत करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलते हैं, तो उनके बीच व्याप्त अतिवादी गतिविधियों को कम किया जा सकता है तथा आदिवासी युवाओं को सकारात्मक रुप से शिक्षित कर संवेदनशील बनाने और उनको भावी पीढी के लिए संरक्षित करने में सक्षम बनाया जा सकता है। इसके लिए इस प्रकार के आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम बहुत ही मददगार हो साबित हो सकते है। कार्यक्रम के समापन में संजय कुमार भारद्वाज, द्वितीय कमान, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल द्वारा युवा छात्र छात्राओं को नारायणपुर से केवडिया गुजरात का भ्रमण करने हेतु प्रस्थान करने व सभी के मनोबल को बढाते हुए हार्दिक बधाई और शुभकामनाऐं प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के अवसर पर प्रशांत सोनी, उप सेनानी व सामरिक मुख्यालय 53वीं वाहिनी में उपस्थित सभी अधिनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे।

उप तहसील कार्यालय के सामने चौथे दिन भी जारी रही ग्रामीणों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

कोड़ेकुसी में कोटवार पर कार्रवाई नहीं होने से भड़का जनआक्रोश

कांकेर। जिले के विकासखंड दुर्गूकोंदल अंतर्गत ग्राम पंचायत कोड़ेकुसी में ग्राम कोटवार की कथित लापरवाही एवं भ्रष्टाचार के मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रशासन की निष्क्रियता से नाराज ग्रामीणों ने 16 जनवरी से उप तहसील कार्यालय कोड़ेकुसी के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल प्रारंभ कर दी है, जो सोमवार को चौथे दिन भी जारी रही। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत कोड़ेकुसी की सरपंच साधना सहारे के नेतृत्व में पूर्व में तहसीलदार दुर्गूकोंदल को लिखित ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई थी कि यदि दो दिवस के भीतर ग्राम कोटवार के विरुद्ध उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बावजूद प्रशासन द्वारा न तो कोई कार्रवाई की गई और न ही कोई निर्णय सार्वजनिक किया गया, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम कोटवार की लापरवाही और कथित भ्रष्टाचार को लेकर ग्राम पंचायत द्वारा विधिवत प्रतिवेदन भेजा गया था। इसके साथ ही ग्रामसभा की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर कोटवार को पद से हटाने की अनुशंसा की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्राम हल्का पटवारी क्रमांक 12 द्वारा मौके पर पहुंचकर गवाहों के बयान दर्ज किए गए तथा पंचनामा भी तैयार किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि पटवारी द्वारा तैयार किए गए अभिलेखों में कोटवार की अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से जुड़े तथ्य स्पष्ट रूप से दर्ज हैं, इसके बावजूद तहसील स्तर पर कोई निर्णय नहीं लिया जाना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई की जाती, तो आंदोलन की नौबत नहीं आती। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि ग्राम में शासकीय कार्यों के क्रियान्वयन में कोटवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, लेकिन उसकी लापरवाही के कारण ग्रामीणों को बार-बार परेशानी उठानी पड़ रही है, जिससे शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास कमजोर हो रहा है। भूख हड़ताल में प्रमुख रूप से सरपंच साधना सहारे, पूर्व सरपंच फ्तेहसिंह मरकाम, नारायण सिंह पटेल, रघुरंदन गिरी गोस्वामी, पवन कुमार टेशवर, जैन कबीर कुमार, अमरचंद जैन, भीकम कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हैं। आंदोलन को समर्थन देने जनपद पंचायत अध्यक्ष गोपी बढ़ाई, जनपद उपाध्यक्ष आनंद तेता, जनपद सदस्य प्रतिनिधि रसालू गावडे, रजमन कोवाची, कांग्रेस नेता दीनदयाल पटेल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धनेश नरेटी, सियाराम दरों, विनोद राणा, ग्रामीण अध्यक्ष गन्नू राम सिन्हा सहित कई जनप्रतिनिधि व राजनीतिक पदाधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे और अपना समर्थन व्यक्त किया। ग्रामीणों ने दो टूक कहा है कि जब तक ग्राम कोटवार के विरुद्ध ठोस कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन और भूख हड़ताल जारी रहेगी।

नवोदय भ्रमण से बदली बच्चों की सोच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दुनिया से हुआ साक्षात्कार

नारायणपुर। जिले के ओरछा विकासखंड अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला धुरबेड़ा ओरछा एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मोहंदी के कुल 40 विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण जवाहर नवोदय विद्यालय नारायणपुर में संपन्न हुआ। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा व्यवस्था से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम कलेक्टर नम्रता जैन के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल, बीआरसी लक्ष्मीकांत सिंह ओरछा एवं शिक्षक साथियों के द्वारा आयोजित किया गया। भ्रमण के अवसर पर नवोदय विद्यालय परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों के स्वागत उपरांत नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश से माइग्रेशन में आए विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक नृत्य ने सभी को प्रभावित किया और विद्यार्थियों को देश की सांस्कृतिक विविधता से रूबरू कराया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात विद्यार्थियों ने विद्यालय के मेस, शैक्षणिक भवन, कक्षाएं, कंप्यूटर लैब, भौतिकी एवं रसायन प्रयोगशालाएं, कला लैब, संगीत कक्ष सहित अन्य शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक सुविधाओं का अवलोकन किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने नवोदय विद्यालय की अनुशासित, आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली को नजदीक से समझा, जिससे उनके भीतर आगे बेहतर शिक्षा प्राप्त करने की प्रेरणा जागृत हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल ने विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा की तैयारी से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए और बोर्ड कक्षाओं के विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सही दिशा में मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर कलामुद्दीन अंसारी स्नातक सामाजिक विज्ञान शिक्षक ने जेएनवीएसटी प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी तथा पीएम श्री गतिविधियों पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। वहीं निखिल कुमार स्नातक गणित शिक्षक ने स्मार्ट कक्षाओं, आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की विशेषताओं को विद्यार्थियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम में आकाश पटेल, प्रशांत मइति, मनीषा, मेघा, सुरभि, नीलेश, नरेश, रहमान, हेमंत सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। अंत में जवाहर नवोदय विद्यालय नारायणपुर के प्राचार्य के. कमलापादम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भाषाई विविधता, अभिव्यक्ति कौशल और सर्वांगीण विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 01 फरवरी को, जिले में 26 परीक्षा केन्द्र बनाए गए, 6948 अभ्यर्थी होंगे शामिल

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा 01 फरवरी 2026 को छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 का आयोजन दो पाली में किया जाएगा, जिसमें प्रथम पाली सुबह 9.30 बजे से 12.15 बजे तक तथा द्वितीय पाली 3 बजे से 5.45 बजे तक समय निर्धारित है। प्रथम पाली में (प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु) लगभग 01 लाख 19 हजार तथा द्वितीय पाली में (माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु) लगभग 02 लाख 05 हजार अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। जिले में परीक्षा के नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर रश्मि पोया ने छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा परीक्षा के संबंध में जारी आवश्यक दिशा-निर्देशों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कोण्डागांव जिले से प्रथम पाली में 2840 और द्वितीय पाली में 4108 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा के आयोजन हेतु जिले में प्रथम पाली हेतु 10 परीक्षा केन्द्र एवं द्वितीय पाली हेतु 16 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा अभ्यर्थियों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिसके अनुसार परीक्षार्थी परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन करने को कहा गया है ताकि उन्हें परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के कम-से-कम 2 घटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। चूंकि यह परीक्षा प्रातः 09.30 बजे से प्रारंभ हो रहा है अतः मुख्य द्वार प्रात 09.00 बजे बंद कर दिया जावेगा। द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 03:00 बजे प्रारंभ हो रहा है इस लिए मुख्य द्वार दोपहर 2.30 बजे बंद कर दिया जाएगा। हल्के रंग के आधी बाह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आये। काले, गहरे नीले, गहरे हरे जामुनी, मैरून बैंगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़े पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट) की अनुमति है। सुरक्षा जांच के समय स्वेटर को उतारकर सुरक्षाकर्मी से जांच कराना होगा। स्वेटर हेतु हल्के रंग एवं आधे बाह का बंधन नहीं होगा। इसी प्रकार यह भी निर्देशित किया गया है कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। फुटवियर के रूप में चप्पल पहने हेतु निर्देशित किया गया है तथा कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाउच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जावेगी। परीक्षार्थी परीक्षा केन्द्र में केवल काले या नीले बॉल पाइंट पेन लेकर ही आये।

किसान के घर से धान चोरी करने वाले दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

कांकेर। प्रार्थी खिलावन सिन्हा पिता स्व. अंगनू राम उम्र 60 वर्ष निवासी रतेसरा कलार पारा थाना चारामा में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराया कि उनके रतेसरा घर के पर्छी में रखें 13 कटटा धान को अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया है प्रार्थी की रिपोर्ट पर से थाना चारामा में अपराध 13/2026 धारा 331(4), 305,(क), भा.न्या.सं. का पांजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। उमनि एवं पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल अशोक राखेचा के निर्देशन पर अति. पुलिस अधीक्षक कांकेर दिनेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी कांकेर मोहसीन खान के पर्यवेक्षण में थाना चारामा पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी सूरज देवांगन के द्वारा अपने नाबालिक साथी साथ मिलकर उनके स्कूटी एक्टिवा से प्रार्थी के घर पर्छी में रखें 13 कटटा धान को चोरी करना स्वीकार किया एवं घटना में चोरी की संपत्ति को उनके कब्जे से जप्त किया गया। आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिवत कार्यवाही करते हुए न्यायालय पेश किया गया।

फरसगांव में सिंगल यूज पॉलीथीन के खिलाफ कार्रवाई 22 व्यापारियों से 15.50 किलो पॉलीथिन जब्त

कोण्डागांव। नगर पंचायत फरसगांव क्षेत्र में सिंगल यूज पॉलीथीन के उपयोग पर रोक को सख्ती से लागू करते हुए सीएमओ मयंक कुमार बसन्तवानी के नेतृत्व साप्ताहिक बाजार में किराना दुकानों, पॉलीथीन विक्रेताओं, बड़े व्यापारियों एवं फल विक्रेताओं के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान प्रतिबंधित सिंगल यूज पॉलीथीन का उपयोग एवं भंडारण करते पाए जाने पर 22 व्यापारियों से कुल 15.50 किलोग्राम पॉलीथीन जब्त की गई। नगर पंचायत की टीम ने नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों पर कुल 6,200 रुपये का अर्थदंड भी वसूल किया। अधिकारियों ने व्यापारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सिंगल यूज पॉलीथीन का उपयोग पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है, इसलिए भविष्य में प्रतिबंधित पॉलीथीन का उपयोग, भंडारण अथवा बिक्री पाए जाने पर और कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही व्यापारियों को कपड़े अथवा कागज के थैलों के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

महाशिवरात्रि के अवसर पर श्री राघव मंदिर में लिंगेश्वर जी के नवीन विग्रह प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारी

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल के हृदय स्थल पर अवस्थित आस्था के प्रमुख केंद्र श्री राघव मंदिर, बैलाडीला देवस्थान में विक्रम संवत 2082, फाल्गुन कृष्ण त्रयोदशी, 15 फरवरी को शुभ मुहूर्त में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री लिंगेश्वर महादेव, नंदी महाराज सहित समस्त शिव परिवार की पवित्र विग्रह विधि विधान से स्थापित किये जायेंगे। इस सुअवसर पर श्री राघव मंदिर में 12 से 16 फरवरी तक विविध धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किये जायेंगे तथा 15 फरवरी को समस्त देव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाई जाएगी। श्री लिंगेश्वर महादेव जी, श्री नंदी जी, श्री गणेश जी, माता पार्वती जी, श्री कार्तिकेय जी एवं जगतगुरु आदि शंकराचार्य के भव्य नवीन विग्रह की विशेषता यह है कि ये राजस्थान के उच्च गुणवत्ता वाले पाषाणों से निर्मित हैं। क्षेत्र की सुख-शांति एवं आध्यात्मिक चेतना के संरक्षण हेतु आयोजित इस महापर्व के भव्य आयोजन हेतु श्री राम जनकल्याण सेवा समिति, बैलाडीला देवस्थान द्वारा आस्थावान नगर परिवार से सहयोग एवं दान की अपील की गई है। इस 5 दिवसीय भव्य आयोजन की तैयारियों हेतु मंदिर की विविध समितियों, नगरपरिवार की बैठक सोमवार की संध्या आहूत की गई।

कलेक्टर ने ली पीएमश्री एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की समीक्षा बैठक

कोंडागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में जिला कोंडागांव अंतर्गत भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत संचालित 12 पीएमश्री विद्यालयों एवं 6 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर ने पीएमश्री एवं कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों के प्राचार्यों एवं अधीक्षिकाओं को निर्देशित किया कि निर्धारित मानकों के अनुरूप विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब, कंप्यूटर लैब की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा स्मार्ट कक्षाओं का नियमित संचालन हो। साथ ही स्कूल इनोवेशन काउंसिल, प्राथमिक कक्षाओं हेतु जादुई पिटारा, आईसीटी प्रोजेक्ट, एएसएम स्पर्श के अंतर्गत व्यय, बैगलेस डे का प्रभावी क्रियान्वयन, ग्रीन स्कूल फीचर्स के अंतर्गत आवश्यक कार्य, शैक्षणिक भ्रमण हेतु विशेष कार्ययोजना, सहायक शिक्षण सामग्री का समुचित उपयोग, छात्रों के लिए करियर मार्गदर्शन व काउंसलिंग तथा बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने सभी बिंदुओं पर मानकों के अनुसार दो दिवस के भीतर कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में ज्ञानवर्धक पुस्तिकाओं की अनिवार्य उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया तथा विद्यार्थियों को ऐसे संस्थानों में शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाने के निर्देश दिए, जिससे उनके ज्ञान में वृद्धि हो सके। उन्होंने सुदूर अंचलों के छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष प्रयास करने पर जोर देते हुए कहा कि नवीन शिक्षण माध्यमों के माध्यम से सभी विषयों का अध्ययन कराया जाए, ताकि विद्यार्थी भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार हो सकें। कलेक्टर पन्ना ने वर्ष 2024-25 के वार्षिक परीक्षा परिणाम की समीक्षा करते हुए परीक्षा परिणाम में सुधार के लिए अतिरिक्त कक्षाओं के आयोजन के निर्देश दिए। इसके साथ ही पीएमश्री सेजेस महात्मा गांधी वार्ड, कोंडागांव के प्राचार्य को विद्यालय की व्यवस्थाओं को और सुव्यवस्थित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए शैक्षणिक भ्रमण एवं अन्य मदों की कार्ययोजना तैयार करने हेतु जिला मिशन समन्वयक को निर्देशित किया गया।

ग्राम टेडमुंडा में श्रम पंजीयन शिविर का हुआ

आयोजन, 61 श्रमिकों का हुआ पंजीयन

कोण्डागांव। जिला कोण्डागांव में निर्माण श्रमिकों एवं असंगठित कर्मकारों के पंजीयन, नवीनीकरण तथा विभागीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम टेडमुंडा में मोबाइल पंजीयन एवं नवीनीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन कार्यालय श्रम पदाधिकारी, जिला कोण्डागांव द्वारा किया गया, जिसमें कुल 61 श्रमिकों का पंजीयन किया गया। इस अवसर पर श्रमिकों को श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मिनीमाता महतारी जतन योजना, नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के लाभ, पात्रता एवं आवेदन

संक्षिप्त समाचार

रामानुजनगर में सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 हेतु पंजीयन प्रारंभ, 25 जनवरी अंतिम तिथि

रामानुजनगर। सरगुजा संभाग की ग्रामीण एवं अनुसूचित जनजातीय अंचलों की खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के उद्देश्य से

सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखण्ड रामानुजनगर में खिलाड़ि?यों का पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है। पूर्व निर्धारित तिथि में संशोधन करते हुए अब पंजीयन की अंतिम तिथि 25 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। यह प्रतियोगिताएँ विकासखण्ड स्तर पर 28 जनवरी से 03 फरवरी 2026, जिला स्तर पर 05 फरवरी से 10 फरवरी 2026 तथा संभाग स्तर पर 01 मार्च से 03 मार्च 2026 तक आयोजित होंगी। ओलम्पिक में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, कुश्ती, कराते सहित फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकसी एवं बास्केटबॉल जैसी खेल विधाएँ शामिल हैं। पंजीयन खिलाड़ी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं। पंजीयन हेतु क्यूआर/बारकोड की सुविधा भी उपलब्ध है।इसके अलावा ऑफ्लाइन पंजीयन फार्म जनपद पंचायत कार्यालय, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त कर वहीं जमा किए जा सकते हैं।आवश्यक दिशा-निर्देश प्रत्येक खिलाड़ी का पंजीयन अनिवार्य है।एक खिलाड़ी केवल एक ही पंजीयन फार्म भरेगा। दलीय खेलों में सभी खिलाड़ियों के फार्म एक साथ जमा करना अनिवार्य होगा। पंजीयन के आधार पर ही विकासखण्ड एवं जिला स्तर पर सहभागिता मान्य होगी। प्रतियोगिता के दौरान मान्य पहचान पत्र (आधार कार्ड/वोटर आईडी/बैंक पासबुक की छायाप्रति) प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग (14 से 17 वर्ष) तथा सीनियर वर्ग (आयु सीमा नहीं) के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 ग्रामीण युवाओं के लिए अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत दुकानों, प्रतिष्ठानों, घरों में सोलर पैनल लगवाने आगे आएं व्यवसायीबंधु - आयुक्त

कोरबा। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने आज नगर के व्यवसायीबंधुओं व चेम्बर आफकामर्स के पदाधिकारियों, सदस्यों का आव्हान करते हुए कहा कि वे केन्द्र सरकार की महती योजना प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अपनी दुकानों, प्रतिष्ठानों व घरों में सोलर पैनल लगवाएं तथा इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ प्राप्त करते हुए बिजली बिल के भार से मुक्ति पाए। उन्होने कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था, व्यवसायिक काम्पलेक्सों में अग्नि दुर्घटना व चोरी आदि की घटनाओं से बचने आवश्यक एहतियाती कदम उठाएं, ट्रांसपोर्ट नगर की व्यवस्थाएं सुधारने सहयोग दें तथा मल्टीलेवल पार्किंग से कोरबा पुराने शहर के व्यवसायिक क्षेत्र तक इलेक्ट्रिक व बैटरीचालित आटो की फ्री सुविधा आमजन को उपलब्ध कराने हेतु अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने आज नगर पालिक निगम केारबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में जिला चेम्बर आफ कामर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में अपर आयुक्त विनय मिश्रा, चेम्बर अध्यक्ष योगेश जैन, महामंत्री नरेन्द्र अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर.पी.तिवारी, उपाध्यक्ष दिनेश राठौर, मुकेश गोयल, आदि उपस्थित थे। आयुक्त पाण्डेय ने बैठक के दौरान केन्द्र सरकार की महती योजना प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की चर्चा करते हुए योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी चेम्बर प्रतिनिधियों को दी तथा नगर के व्यवसायीबंधुओं व चेम्बर प्रतिनिधियों का आव्हान करते हुए कहा कि वे अपनी दुकानों, प्रतिष्ठानों एवं घरों में सोलर पैनल लगवाने हेतु आगे आयें। उन्होने बताया कि योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगवाए जाने पर केन्द्र व राज्य सरकार के द्वारा सब्सिडी प्रदान करने का प्रावधान रखा गया है, 01 किलोवाट क्षमता पर 45 हजार रूपये, 02 किलोवाट पर 90 हजार रूपये तथा 03 किलोवाट व अधिक क्षमता पर 01 लाख 08 हजार रूपये तक की सब्सिडी दी जा रही है, उन्होने बताया कि ये स्थापित सोलर पैनल बिद्युत वितरण कम्पनी के ग्रिड से कनेक्ट रहेंगे, निश्चित समय पर उत्पन्न बिजली यूनिट व घरों में खपत बिजली यूनिट का कैलकुलेशन होगा तथा खपत के बाद शेष बची अतिरिक्त बिजली यूनिट की कीमत भी आपको प्राप्त होगी। बैटरी चलित वाहन की फ्री सुविधा हेतु सहयोग दें - आयुक्त पाण्डेय ने चेम्बर पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि सुनालिया पुल के पास मल्टीलेवल पार्किंग का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है, जल्द ही पार्किंग शुरू होने जा रही है, उन्होने कहा कि मल्टीलेवल पार्किंग में आमजन अपनी गाडियों की पार्किंग करेंगे, उन्हें पार्किंग से दुकानों तक आने जाने के लिए फ्री आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है, व्यवसायीबंधु आपसी सहयोग से कम से कम 10 से 15 बैटरी चलित आटो वाहन उपलब्ध कराने में अपनी सहभागिता दें।

दिशा समिति की बैठक में केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने योजनाओं की प्रगती की समीक्षा की

स्वास्थ्य, पोषण, पेयजल, शिक्षा, सड़क विकास पर दिए विशेष जोर

- मनरेगा के तहत स्वीकृत सभी कार्य और भुगतान 31 मार्च तक करलें पूर्ण
- पीएम-जनमन के तहत बन रहे सड़कों की गुणवत्ता जांच कराने कलेक्टर को दिए निर्देश
- शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रुप से करें आमंत्रित

गौरेला पेंड्रा मरवाही। सांसद लोकसभा क्षेत्र बिलासपुर तथा केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू नें आज कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य, पोषण, पेयजल, शिक्षा, सड़क विकास पर विशेष जोर देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सुविधा का लाभ हर वर्ग को मिले, इसके लिए जिला चिकित्सालय सहित सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं का शत प्रतिशत पंजीयन कराने, स्वास्थ्य केन्द्रों में सुरक्षित रुप से संस्थागत प्रसव कराने और बच्चों का नियमित टीकाकरण कराने कहा। केन्द्रीय राज्यमंत्री ने कुपोषण में कमी लाने के लिए जनजागरुकता लाने, आंगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज सभी बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने और पूरक पोषण आहार पर विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने शुध्द पेयजल की आपूर्ती के लिए नल जल प्रदाय योजनाओं की लगातार मॉनिटरिंग करने और दिक्कतों को दूर करने कहा। उन्होंने पिछले वर्ष की 10 वीं-12 वी बोर्ड परीक्षा में जिले की स्थिति खराब होने की जानकारी पर निराशा जताते हुए आगामी

बोर्ड परीक्षा में बेहतर परीक्षा परिणाम लाने के लिए विशेष प्रयास करने कहा। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी के साथ ही सभी विभागों के जिला अधिकारियों को स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण कर अध्ययन अध्यापन का मूल्यांकन करने के साथ ही मध्यान भोजन की गुणवत्ता की जांच करने कहा। केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री साहू ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना में आधारभूत परिवर्तन करते हुए योजना का नाम वीबीजीरामजी किया गया है। उन्होंने मनरेगा योजना के तहत स्वीकृत सभी कार्य और भुगतान 31 मार्च 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आकांक्षी ब्लाक गौरेला में पीएमजनमन के तहत निर्मित एवं निर्माणाधीन सड़को की जानकारी ली और सड़कों की गुणवत्ता खराब होने के संबंध में उन्हें मिली शिकायतों का जिक्र करते हुए कहा कि सड़को का निर्माण गुणवत्ता पूर्ण होनी चाहिए, जो सड़के खराब हो गई है उन्हें संधारण अवधि में ठीक कराएं। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता को लेकर किसी तरह की लापरवाही बरदाश्त नही की जाएगी साथ ही पीएमजनमन के तहत बन रहे सड़कों की गुणवत्ता की जांच कराने के लिए कलेक्टर को निर्देश भी दिए। केन्द्रीय राज्यमंत्री ने निर्माण कार्यों के भूमि पूजन, शिलान्यास, लाकार्पण सहित विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रुप से आमंत्रित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि दिशा की बैठक में मुख्य रुप से उपलब्धियों का आकलन करते है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जो भी जवाबदारी मिली है, उसका निर्वाहन ईमानदारी से करें, काम से ही पहचान बनती है, कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें, योजनाओं का लाभ आम जन्ता तक पहुचे, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित नहि रहे। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने कार्यों का आकलन स्वयं करें और कमियों में सुधार लांए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने जिले में हुए विकास कार्यों की जानकरी दी।

केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स के 'मशाल गौरव यात्रा' वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया

गौरेला पेंड्रा मरवाही। आवास एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री भारत सरकार श्री तोखन साहू ने जिला प्रवास के दौरान आज कलेक्ट्रेट परिसर से 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के व्यापक प्रचार-प्रसार और आम लोगों को इससे जोड़ने के लिए पहुँचे 'मशाल गौरव यात्रा' वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। साथ ही 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के शुभंकर 'मोर वीर' का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक मरवाही श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गौरेला श्री मुकेश दुबे, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद पेंड्रा श्री राकेश जालान, कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी, गेम्स' का प्रथम संस्करण का

पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार खिलारी, जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे, अपर कलेक्टर श्री अमित बेक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में 'खेलो इंडिया ट्राइबल आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार और आम लोगों को इससे जोड़ने के लिए 'मशाल गौरव यात्रा' वाहन पूरे प्रदेश का भ्रमण कर नागरिकों को खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान कर रहा है।

मनरेगा को मिला जीवनदान : ग्रामीणों के आंदोलन का असर, अनशन ज्ञापन के बाद शुरू हुआ रोजगार

सूरजपुर/संवाददाता। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत लंबे समय से रोजगार नहीं मिलने से परेशान ग्राम पंचायत सतनगर के सैकड़ों ग्रामीणों का संघर्ष आखिरकार रंग ले आया। रोजगार की मांग को लेकर जनपद पंचायत भैयाथान कार्यालय पहुँचकर ज्ञापन सौंपने और शांतिपूर्ण अनशन करने के बाद संबंधित विभाग ने तत्परता दिखाते हुए मनरेगा के अंतर्गत कार्य प्रारंभ कर दिए हैं। इससे ग्रामीणों में राहत और संतोष का माहौल है। ग्रामीणों ने हाथों में पारंपरिक औजार लेकर यह संदेश दिया था कि वे काम करना चाहते हैं, भीख नहीं। ग्रामीणों का आरोप था कि 100 दिन के रोजगार की

गारंटी देने वाली योजना कागजों तक सीमित रह गई है, जबकि जमीनी हकीकत में गांवों में काम उपलब्ध नहीं कराया जा रहा था। ग्रामीणों ने बताया कि जनपद पंचायत भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत सतनगर आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जहां अधिकांश परिवारों की आजीविका मनरेगा पर निर्भर है। लंबे समय से कोई कार्य स्वीकृत नहीं होने के कारण मजदूरों को बाहर पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा था, जिसका असर बच्चों की पढ़ाई, परिवार की सामाजिक स्थिरता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा था। ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए सामूहिक ज्ञापन और अनशन के बाद विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर मनरेगा कार्यों की शुरुआत कर दी गई, जिससे ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार मिलना शुरू हो गया है।

जिले में गरिमामय वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा 77 वां गणतंत्र दिवस

रायगढ़। जिले में 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह गरिमामय, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन 26 जनवरी को प्रात: 9 बजे से शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम, रायगढ़ में किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने गणतंत्र दिवस समारोह के सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन के लिए अपर कलेक्टर अपूर्व प्रियेश टोप्पो को संपूर्ण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं अनुविभागीय दंडाधिकारी रायगढ़ को सहायक नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त समारोह से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दायित्व सौंपे गए हैं। कलेक्टर ने समारोह स्थल पर शांति एवं कानून व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, मंच एवं बैरिकेटिंग हेतु बांस-बल्ली की समुचित व्यवस्था, समारोह स्थल की साफ-सफाई, अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था, अतिथियों एवं आम नागरिकों के लिए बैठक व्यवस्था, फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य सुविधा, एंबुलेंस, विद्युत एवं ध्वनि व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि समारोह निर्बाध एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। मुख्य समारोह में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं सांस्कृतिक दलों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी, जो समारोह का विशेष आकर्षण होंगे।

पद्मश्री माता राजमोहनी देवी स्मृति राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का महामुकाबला संपन्न...

- एफसी क्लब सोनगरा ने महामाया क्लब कपसरा को हराकर ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

सूरजपुर संवाददाता। ग्राम पंचायत सोनगरा में आयोजित पद्मश्री माता राजमोहनी देवी स्मृति राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला उत्साह, रोमांच और अनुशासित वातावरण के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। खचाखच भरे मैदान में खेले गए महामुकाबले में एफसी क्लब सोनगरा ने महामाया क्लब कपसरा को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 1-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों

ने बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मुकाबले का एकमात्र निर्णायक गोल एफसी क्लब सोनगरा की ओर से किया गया। मैदान में लगभग 10 हजार दर्शकों की मौजूदगी रही, जिन्होंने तालियों और नारों से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर पूरे वातावरण को खेलमय बना दिया। राज्य स्तरीय इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट के दौरान कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की उभरती खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का सशक्त मंच मिला। समापन समारोह में विजेता टीम एफसी क्लब सोनगरा को ?71,000 नगद राशि एवं चमचमाती ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम महामाया क्लब कपसरा को ?51,000 नगद राशि एवं चमचमाती ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता फैलाना रहा। वक्ताओं ने खेल को युवाओं को नशे से दूर रखने का सशक्त माध्यम बताते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की अपील की। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना का विकास करता है। वहीं समाजसेविका प्रतिमा सिंह एवं भटगांव मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता ने भी उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए खेल को स्वस्थ समाज की नींव बताया और नशामुक्ति अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी अपनी टीम के साथ पूरे समय मुस्तैद रहे।

संरक्षा के 11 सजग प्रहरी को मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन द्वारा संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

बिलासपुर। संरक्षित रेल परिचालन रेलवे प्रशासन की पहली प्राथमिकता है । संरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने हेतु नियमित रूप से संरक्षा से संबन्धित विभिन्न जागरूकता अभियान चलाये जा रहे हैं । इसके साथ ही मंडल क्षेत्राधिकार के अंतर्गत ड्यूटी के दौरान सजगता एवं सतर्कता के साथ उत्कृष्ट संरक्षित कार्य का निर्वहन करते हुये बेहतर संरक्षा सुनिश्चित करने में सराहनीय योगदान देने वाले संरक्षा प्रहरियों को प्रोत्साहित करने हेतु संरक्षा पुरस्कार भी प्रदान किया जा रहा है ।इसी कड़ी में विगत दिनों लोको पायलट शहडोल श्री नवल किशोर सिंह तथा सहायक लोको पायलट श्री रजनीश कुमार द्वारा मालगाड़ी में कार्य के दौरान लाईन में झटका महसूस किया तथा सतर्कता दिखाते हुये तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबन्धितों को देकर गाड़ी की संरक्षा सुनिश्चित की गई । विगत दिनों लोको पायलट बिजुरी श्री प्रवीण कुमार टांडिया तथा सहायक लोको पायलट श्री आकाश पाठक द्वारा मालगाड़ी के चार्ज लेने के दौरान निरीक्षण में प्राइमरी हेलिकाल स्प्रिंग टूटी पाया तथा सतर्कता दिखाते हुये तत्काल इसकी सूचना स्टेशन मास्टर को देकर इंजन को टीआर कर गाड़ी की संरक्षा सुनिश्चित की गई । इसी कड़ी में लोको पायलट ब्रजराजनगर श्री शिवाशीष कर्माकर एवं सहायक लोको पायलट श्री अरविंद कुमार द्वारा लजकुरा स्टेशन में दूसरे लाइन में जा रही मालगाड़ी के वेगन में ब्रेक बाइंडिंग की पहचान कर तत्काल इसकी सूचना उस गाड़ी के चालक दल एवं स्टेशन मास्टर को देकर गाड़ी की संरक्षा सुनिश्चित की गई इसी प्रकार यातायात सहायक सारागाँव श्री योगेश कुमार द्वारा सारागाँव स्टेशन से गुजर रही

मालगाड़ी के वेगन में हॉट एक्सल की पहचान, ट्रेन मैनेजर ब्रजराजनगर श्री सुनिया बांकीरा ने कार्य के दौरान कोतरलिया स्टेशन में हॉट एक्सल की पहचान, स्टेशन मास्टर उमरिया श्री शीतल प्रसाद मीना ने स्टेशन से गुजर रही मालगाड़ी में हॉट एक्सल की पहचान, स्टेशन मास्टर खोड़री श्री मनोज कुमार ने स्टेशन से गुजर रही मालगाड़ी में हॉट एक्सल की पहचान कर गाड़ी की संरक्षा सुनिश्चित की इसी प्रकार ट्रेन मैनेजर बिलासपुर श्री लोकुराम यादव ने मालगाड़ी में कार्य के दौरान असामान्य आवाज सुनी तथा चालक को सूचित करते हुये गाड़ी को रुकवाकर जांच में पाया कि ब्रेकवेन के पहिये में फ्लेट निशान पाकर उसे गाड़ी से अलग करवाकर गाड़ी की संरक्षा सुनिश्चित की इस प्रकार इन संरक्षा प्रहरियों की सजगता व सतर्कता भरे कार्य से गाड़ियों की संरक्षित परिचालन सुनिश्चित हुई 7 इनके इस त्वरित संरक्षित कार्य के लिए इन्हें प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार के लिए वरि.मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन द्वारा अनुशंसा की गई आज मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने इन सभी संरक्षा प्रहरियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। मंडल रेल प्रबंधक द्वारा इनकी उत्कृष्ट, सराहनीय व संरक्षित भरे कार्य की प्रशंसा की गई तथा इसी उत्साह के साथ भविष्य में भी कार्य करते रहने की शुभकामनायें दी गई ।

निगम ने 84 बड़े बकायादारों के नाम किए सार्वजनिक.....

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा आज 84 बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक करते हुए उनसे कहा है कि वे शीघ्र करों की बकाया राशि निगम कोष में जमा कराएं अन्यथा उनके विरूद्ध कुर्की की कार्यवाही की जाएगी, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। निगम के इन बड़े बकायादारों के द्वारा बकाया कर की राशि नहीं जमा कराई जा रही परिणाम स्वरूप यह बकाया करों की राशि करोड़ों में पहुंच चुकी है। यहाँ उल्लेखनीय है कि निगम को सम्पत्तिकर, जलकर, भवन, दुकान किराया सहित अन्य करों की करोड़ो रूपये की राशि बकायादारों, करदाताओं से प्राप्त करना शेष है। निगम द्वारा बार-बार नोटिस वारंट आदि जारी किए जाने व ताकीद किए जाने के बावजूद अनेक बकायादारों द्वारा बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है, इससे एक ओर जहाँ निगम को आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर बकाया करों की राशि बढ़ती जा रही है, साथ ही बकायादारों की इस उदासीनता से नगर का विकास अवरूद्ध होता है तो वहीं दूसरी ओर नागरिक सेवाएं व सुविधाओं की बेहतरी के कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने निगम के बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक करने व बकाया राशि की वसूली हेतु नियमों के तहत सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे। इसी कड़ी में निगम द्वारा आज अपने 84 बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक कर उन्हें तत्काल बकाया राशि निगम कोष में जमा कराने को कहा है।

पैरेंटिंग का ये तरीका है सबसे बेस्ट

बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है। पहली बार पैरेंट्स बनने वालों को लिए तो इसमें काफी मुश्किलें होती हैं, क्योंकि उन्हें कई सारी चीजें पता ही नहीं होती हैं। जिसकी वजह से कई सारी गलतियां भी होती हैं। इन गलतियों का असर बच्चों के दिल और दिमाग पर हो सकता है। ऐसे में पीडियाट्रिक बच्चों की सही परवरिश को लेकर कई टिप्स बताते हैं। जिन्हें फॉलो कर अपने बच्चों को अच्छा भविष्य दे सकती हैं। इससे उनके साथ आपका बॉन्ड भी काफी मजबूत बनेगा।

बच्चों की बात से सहमत होना

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर आपका बच्चा आपकी हर बात से सहमत नहीं है या किसी बात पर आप दोनों के विचार नहीं मिल पा रहे हैं तो ये ओके है। अगर बच्चे के विचार आपसे अलग हैं तो इसका मतलब वह खुद से कुछ नया ट्राई करना चाहता है। वो अपने हिसाब से अपनी लाइफ जीना चाहता है। ऐसे में परेशान होकर उस पर दबाव नहीं बनाना चाहिए, क्योंकि ये उसके भविष्य के लिए ठीक है।

हर दिन कुछ नया सीखें

पीडियाट्रिशियन के मुताबिक, बच्चों की परवरिश करते समय हर दिन आगे बढ़कर कुछ न कुछ नया सीखना चाहिए। इससे आप बच्चों के विकास को एंजॉय कर पाएंगे। डॉक्टर के मुताबिक, बच्चे को रोने से भी कभी नहीं रोकना चाहिए। इस तरह वो अपनी भावनाएं व्यक्त करता है। उसे भावनाओं को सही तरह समझानें का सही तरीका बताएं। इससे बच्चा अपने इमोशंस को सही तह समझ पाएगा और उन्हें कंट्रोल कर पाएगा।

बच्चों के पापा को क्या करना चाहिए

बच्चे की परवरिश में पिता का काफी योगदान होता है। उन्हें अपने बच्चों की जरूरतों को पूरा करना पड़ता है। पिता का काम बच्चे को सिर्फ फाइनेंशियल ही नहीं इमोशनल सपोर्ट भी करना चाहिए। अपने बच्चे को भावनात्मक रूप से मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

बच्चों की परवरिश करते समय क्या करें

अगर आप अभी-अभी पैरेंट बने हैं और बच्चों का परवरिश करना सीख रहे हैं तो ऊपर बताई सभी टिप्स को फॉलो करना चाहिए। इससे बच्चे को आसान और बेहतर जिंदगी दे पाएंगे। आपका और बच्चे का बॉन्ड भी अच्छा बनेगा। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि किसी तरह की परेशानी आने पर बच्चे किसी और के पास जाने की बजाय आपके पास आएगा और उसे सही सलाह मिल पाएगी।

न जिम, न डाइट ऐसे बने फिट

वजन बढ़ना आज बड़ी समस्या बनती जा रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह बिगड़ती लाइफस्टाइल और गलत खानपान है। कई लोग वजन कम करने के लिए जिम में घंटों पसीना बहाया करते हैं,लेकिन महिलाओं के लिए यह पॉसिबल नहीं हो पाता है, कि वे जिम के लिए समय निकाल पाएं। ऐसे में वे घर पर ही रहकर वेट लॉस कर सकती हैं। आज हम उनके लिए कुछ ऐसे आसान एक्सरसाइज लेकर आए हैं, जिन्हें थोड़ा सा टाइम निकालकर रोजाना करने से वजन तेजी से कम कर सकती हैं। आइए जानते हैं...

ब्रिज पोज

ब्रिज पोज योग कमर और पीठ से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में विशेष लाभदायक होता है। रोजाना इसे करने से पीठ, ग्लूट्स, पैरों और टखने मजबूत बनते हैं। इसके साथ ही छाती, ह्रदय और कूल्हे की मांसपेशियां स्वस्थ रहती है। वजन कम करने में इस योग का कोई जोड़ नहीं है। एक्सपर्ट्स भी महिलाओं के इस योग को हर दिन करने की सलाह देते हैं। इससे चर्बी तेजी से निकल जाती है और बॉडी फिट बनती है।

जॉगिंग एंड रनिंग

वजन कम करने में जॉगिंग और रनिंग बेहद ही बेहतरीन एक्सरसाइज होती है। इस वर्कआउट को अपनी डेली रूटीन में शामिल कर महिलाएं वजन कम कर सकती हैं। इस एक्सरसाइज से आंतों की चर्बी कम होती है और वजन तेजी से घटता है। इसे आसानी से कहीं भी कर सकती हैं। इससे हार्ट की बीमारियां भी दूर होती हैं।

स्क्वाट्स

पैरों को मजबूत बनाने के साथ ही स्क्वाट्स कमर और पेट के आसपास की चर्बी को भी कम करता है। इससे पीठ दर्द से भी आराम मिलता है। हालांकि इसे शुरू करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लेनी चाहिए। घुटने में दर्द रहता है तो स्क्वाट्स से बचना चाहिए। इस एक्सराइज से वजन तेजी से कम होता है। महिलाएं घर में रहकर इसे आसानी से कर

शादी से पहले पार्टनर को परखें

शादी होने से ज्यादा शादी टूटने की खबरें सामने आ रही हैं। फिल्म स्टार हो या फिर नॉर्मल लाइफ जी रहा कोई व्यक्ति, आजकल हर किसी के लिए शादी तोड़ना आम बात हो गई है। ऐसा सही जीवन साथी ना चुनने के कारण होता है। वैसे तो पैरेंट्स अपने बेटे या बेटी के लिए सही जीवनसाथी की तलाश में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते। मैरिड लाइफ में खुशहाली चाहते हैं तो आपको लाइफ पार्टनर का चुनाव करते समय कोई भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। इसी के साथ बेहतर जीवनसाथी के लिए आपको उसे सही से परखना चाहिए। यहां कुछ ऐसी आदतों के बारे में बता रहे हैं जो शादी से पहले आपको पार्टनर के अंदर परखनी चाहिए।

1) लाइफ पार्टनर हमेशा ऐसा चुनना चाहिए जो एक-दूसरे का सम्मान करे। इसी के साथ एक ऐसा पार्टनर चुनें जो रिश्तों की अहमियत को समझें। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति को जीवन साथी चुन रहे हैं,जो हमेशा अपनी चलाना पसंद करता है। तो इससे आगे चलकर आपके लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है।

2)आप जिसे अपना लाइफ पार्टनर चुन रहे हैं उसके साथ शादी से पहले कुछ मुलाकातें करें। मिलने-जुलने पर आपको एक दूसरे के विचारों के बारे में पता चलेगा। लड़का-लड़की अगर आपके विचारों को मैच करे तो ही शादी के लिए हां करें।

3) लाइफ पार्टनर चुनते समय ध्यान देना चाहिए दोनों की दिलचस्पी एक दूसरे की पसंद-नापसंद में हो। ऐसा जरूरी नहीं जो आपको पसंद है वह आपके पार्टनर को भी पसंद हो, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए की जीवन साथी आपके पसंद के बीच अड़चन बने।

4) पार्टनर की एजुकेशन क्वालिफिकेशन और जॉब पर भी गौर करें। हमेशा ऐसा जीवनसाथी चुनें जो आपको समझने के साथ ही आपके काम को भी समझे और आगे बढ़ने के लिए सपोर्ट करे। अगर पार्टनर ऐसा है तो रिश्ते को हां कह सकते हैं।

प्रेगनेंसी में हाई हील्स सही या गलत?

हील्स पहनना हर लड़की को पसंद होता है। इससे हाइट अच्छी लगती है और लुक भी अच्छा दिखाई देता है। हालांकि, हर चीज को पहनने की एक उम्र और समय होता है। कुछ महिलाएं प्रेगनेंसी में हाई हील्स पहनती हैं,लेकिन क्या ऐसा करना चाहिए। चूंकि प्रेगनेंसी में काफी उतार-चढ़ाव आते हैं, ऐसे में हाई हील्स पहनना कितना सुरक्षित है, आइए एक्सपर्ट्स से समझते हैं..

प्रेगनेंसी में हील्स पहनना चाहिए या नहीं

एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्रेगनेंसी की शुरुआत से लेकर बच्चे को फीड और कैरी करने तक हील्स पहनने से हर महिला को बचना चाहिए। इसके पीछे कोई साइंटिफिक कारण तो नहीं है,लेकिन चूंकि प्रेगनेंसी में किसी महिला का वजन काफी बढ़ता है, इसलिए इस दौरान हील्स पहनने से बैलेंस बिगड़ सकता है और इससे कई परेशानियां हो सकती हैं। कई महिलाओं में प्रेगनेंसी में पैरों में सूजन बढ़ जाती है, ऐसे में हील्स के कारण टाइटनेस और सूजन भी बढ़ सकती है। वहीं, ज्यादा देर तक हील्स पहनने से कमर में दर्द की समस्याएं भी हो सकती है।

प्रेगनेंसी में हील्स पहनने के ये भी नुकसान

प्रेगनेंसी के दौरान हील्स पहनने से पैरों में दर्द बढ़ सकता है। कुछ मामलों में दर्द घुटनों में हो सकता है। इसलिए प्रेगनेंसी में हील्स बेहद सावधानी पूर्वक पहननी चाहिए। वहीं, जब बच्चा छोटा होता है, तब हील्स के साथ बच्चे को गोद में लेकर चलने में समस्या आ सकती है। इसलिए जब तक बच्चा चलने नहीं लग जाता है, तब तक मां को हील्स पहनने से बचना चाहिए।

प्रेगनेंसी में किस तरह के फुटवियर पहनना चाहिए

डॉक्टर के मुताबिक, प्रेगनेंसी के शुरुआती तीन महीनों में महिलाओं को संभलकर चलना चाहिए, क्योंकि इस दौरान हल्के झटके या पैर स्लिप होने से मिसकैरिज का रिस्क हो सकता है। हालांकि, पहली तिमाही में हील्स पहनने से मना नहीं किया जाता है। ऑफिस जाने वाली महिलाएं हल्की हील्स पहन सकती हैं,लेकिन पूरी तरह से संभलकर चलना चाहिए, ताकि फिलसकर नहीं गिरना चाहिए। प्रेगनेंसी की दूसरी और तीसरी तिमाही में ज्यादा वजन बढ़ने से हील्स पहनने में समस्या हो सकती है, इसलिए इस दौरान हील्स की जगह आरामदायक फ्लैट स्लीपर, सैंडल या शूज पहनना बेहतर माना जाता है, क्योंकि तीसरी तिमाही में फिसलकर गिरने पर प्री मैच्योर डिलीवरी का जोखिम बन सकता है।

सर्दियों के मौसम में बच्चों में फ्लू के लक्षण

सर्दियों के मौसम में फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और इसी वजह से सांसों से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। जहां सर्दियों में ठंड लगने से जुकाम, खांसी और ब्रोंकाइटिस जैसी समस्याएं होती हैं वहीं, बच्चों में सीजनल फ्लू का रिस्क भी बहुत अधिक होता है। इन दिनों कोविड संक्रमण के मामले भी बढ़ रहे हैं ऐसे में कमजोर इम्यूनिटी के कारण बच्चों में संक्रमण का भी रिस्क अधिक है। बच्चों को इंफ्लुएंजा या फ्लू और बीमारियों के मौसम में हेल्दी और सेफ रखने के लिए कुछ उपाय अपनाने चाहिए। यहां पढ़ें बच्चों में फ्लू के लक्षण और उनसे आराम पाने के लिए कुछ घरेलू उपायों के बारे में

फ्लू के लक्षण :- बहती नाक, बंद नाक, गले में खराश और सूजन, तेज बुखार, उल्टी, सुस्ती और थकान, खांसी की समस्या, सांस लेने में तकलीफ

बचाव के उपाय :- अपने और बच्चे की साफ-सफाई का ध्यान रखें। बच्चे को बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोने के लिए कहें। खांसते समय और छींकते हुए अपना मुंह और नाक कवर करें। बच्चों को छूने या उनकी देखभाल करते समय मास्क पहनें और हाथों में ग्लव्ज पहनें। अगर किसी बच्चे को संक्रमण हुआ हो तो उसे ठीक होने तक दूसरे लोगों से दूर रखें। बच्चों की सभी वैक्सीन्स लगाएं। यह उन्हें सेफ रहने में मदद करेगा। बच्चों को निमोनिया की वैक्सीनजरूर लगवाएं। सोशल डिस्टेंसिंग जैसे नियमों का पालन करें। बच्चों में किसी भी तरह के लक्षण दिखायी दें तो डॉक्टर से सम्पर्क जरूर करें।

ऐसे करें 'थायराइड' कंट्रोल

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमें बार-बार थकान महसूस होना आम बात हो जाती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि लगातार थकान और बिना किसी वजह के वजन बढ़ना कहीं गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं?अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है और साथ ही आपको पहले के मुकाबले ज्यादा थकान महसूस हो रही है तो सावधान हो जाइए। ये थायराइड जैसी गंभीर समस्या के संकेत हो सकते हैं। थायराइड एक महत्वपूर्ण हार्मोनल ग्रंथि होती है और इसमें किसी भी प्रकार की समस्या से शरीर के कई फंक्शंस बुरी तरह प्रभावित होने लगते हैं।

थायराइड मुख्य रूप से दो प्रकार

हाइपरथायराइड और हाइपोथायराइड होते हैं। इन दोनों स्थितियों में थायराइड ग्रंथि उतना हार्मोन नहीं बना पाती जितना कि शरीर को चाहिए होता है,लेकिन कुछ डाइट में बदलाव और कुछ जड़ी-बूटियों की मदद से हम थायराइड की समस्या पर काबू पा सकते हैं। आइए जानते हैं,यहां कौन सी वे जड़ी-बूटियां हैं।

काला जीरा

क्या आप जानते हैं कि काला जीरा थायराइड संबंधी समस्याओं को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है? काले जीरे में मौजूद तत्व थायराइड हार्मोन के स्तर को संतुलित करने में मदद करते हैं। एक स्टडी के अनुसार, 22 से 50 वर्ष की आयु के लोगों ने 8 हफ्तों तक काला जीरा लिया। इससे उनके थायराइड हार्मोन लेवल में सुधार हुआ। साथ ही शारीरिक वजन भी कम हुआ। इसलिए, अगर आपको थायराइड संबंधी समस्या है तो काले जीरे का उपयोग जरूर करें। चाय, सूप या सलाद के रूप में लें। यह आपको हार्मोन संतुलन बनाए रखने में मदद करेगा।

तुलसी

तुलसी में कई गुण होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो सकते हैं। इसमें एंटी-फंगल और एंटी-इन्फ़्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। ये गुण थायरॉयड समस्याओं को कम करने में मदद कर सकते हैं।तुलसी की पत्तियों को पानी में उबालकर पीने से या चबाकर खाने से थायरॉयड संबंधी समस्याओं में राहत मिल सकती है।

अश्वगंधा

अश्वगंधा में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो हमारे हार्मोन्स के संतुलन में सुधार कर सकते हैं। ये हार्मोन्स हमारे शरीर के कई कार्यों को नियंत्रित करते हैं। अश्वगंधा के चूर्ण को पानी में उबालकर पीने से हार्मोन संतुलन में सुधार हो सकता है। अश्वगंधा में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी पाए जाते हैं जो शरीर के लिए हानिकारक ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करते हैं।

मूली खाने के फायदे

सर्दियों के मौसम में मूली खाना सेहत के लिए फायदेमंद है। मूली से कई तरह की चीजें बनाई जाती है। खाने के साथ सलाद के तौर पर भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। मूली में विटामिन सी, फाइबर और कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकते हैं। यह बीमारियों से बचाने के साथ सेहत को बेहतर बनाए रखने में मददगार होता है।

1. वेट लॉस
मूली खाने का सबसे बड़ा फायदा है कि इससे वजन तेजी से कम हो सकता है। दरअसल, मूली में लो कैलोरी और हाई फाइबर पाया जाता है, जो कमर की चर्बी को कम करने में मदद कर सकता है। फाइबर के सेवन से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। मूली खाने से पाचन भी अच्छा बनता है।

2. कब्ज भगाएं
मूली में फाइबर ज्यादा मात्रा में पाया जाता है, जो पाचन को सुधारने में मदद करता है। इससे कब्ज की छुट्टी हो सकती है। फाइबर सेहतमंद डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए भी अहम होता है। यह स्टूल को नरम बनाकर कब्ज से राहत दिलाता है। मूली के पत्ते का साग डाइजेशन को दुरुस्त रखता है।

3. डायबिटीज कंट्रोल करें
फाइबर के सेवन इंसुलिन का लेवल बैलेंड होता है। जिससे डायबिटीज कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। चूंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एनर्जी मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने की शक्ति होती है। फाइबर युक्त आहार खाने की सलाह दी जाती है।

4. इम्यूनिटी बेहतर बनाएं
मौसम में बदलाव का सबसे ज्यादा असर इम्यूनिटी पर पड़ता है। इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मूली काफी फायदेमंद होता है। इसके रोजाना सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

बच्चों के भविष्य के लिए "जैन डिजिटल पाठशाला" सर्वोत्तम साधन

बच्चों के जीवन निर्माण के लिए "जैन डिजिटल पाठशाला" सर्वोत्तम साधन है। सम्यक ज्ञान की पर्व समान पाठशाला से जुड़े बच्चों का भविष्य

अधिक परीक्षा केंद्रों पर कक्षा 1 से 36 तक आयोजित की गई। यह आयोजन जैन धार्मिक शिक्षा के इतिहास में एक गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ है। इस शुभ अवसर का आरंभ संस्था के उपाध्यक्ष जवाहरलाल मोतीलाल शाह के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। शक्तितला स्कूल में आयोजित परीक्षा के दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन किया। पदाधिकारियों ने कहा, "पाठशाला ही जैन शासन का प्राण है।" पाठशाला में संस्कारित बच्चे आगे चलकर साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविका, जैन ट्रस्टी, स्वयंसेवक एवं जैन रक्षक बनकर शासन को सुदृढ़ करते हैं। जिनागम अर्थात् श्रुतज्ञान है, और यह श्रुतज्ञान पाठशाला से ही प्राप्त होता है। डिजिटल युग में बच्चों को पाठशाला से जोड़ना एक चुनौती बन गया है। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए संघ द्वारा "जैन डिजिटल पाठशाला" कार्यक्रम आरंभ किया गया है, जिसके माध्यम से 5 से 14 वर्ष के बच्चों को आधुनिक तकनीक के सहारे धार्मिक शिक्षा प्रदान की जा रही है। वर्तमान में संघ के मार्गदर्शन में मुंबई में 655 से अधिक पाठशालाओं में 1,400 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएँ सेवा दे रही हैं तथा 75,000 से अधिक बच्चे नियमित रूप से धार्मिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष संजयभाई जीवनलाल शाह ने कहा, "बच्चों में धार्मिक संस्कारों का रोपण करना संस्था का मुख्य उद्देश्य है, और इसकी शुरुआत पाठशाला से ही होती है। जैन धर्म के शाश्वत सिद्धांत—अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद—जीवन जीने की श्रेष्ठ पद्धति सिखाते हैं।

संजयभाई जीवनलाल शाह, महिला विभाग की उपाध्यक्ष अल्पाबेन संजयभाई शाह तथा कोषाध्यक्ष-ट्रस्टी अशोक नरसिंह चरला एवं निश्चित रूप से उज्ज्वल होता है।" इस राष्ट्रव्यापी धार्मिक परीक्षा के अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष जवाहरलाल मोतीलाल शाह, अध्यक्ष सुरेश देवचंद संघवी, उपाध्यक्ष संजयभाई जीवनलाल शाह, कोषाध्यक्ष अशोक नरसिंह चरला तथा महिला विभाग की उपाध्यक्ष अल्पाबेन और संजयभाई शाह का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जैन ट्रस्टी, पाठशाला के विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में जैन समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे। श्री जैन धार्मिक शिक्षा संघ द्वारा आयोजित वार्षिक धार्मिक परीक्षा में इस वर्ष मुंबई सहित पूरे भारत की पाठशालाओं के 27,000 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह रहा कि यह परीक्षा पहली बार पूरे भारत में एक ही दिन, एक ही समय पर, 118 से

खाना खजाना

बेसन की रोटी

सर्दियों के मौसम में बेसन की रोटी एक ऐसा ही स्वादिष्ट व्यंजन है जो सर्दियों में बहुत फायदेमंद होती है। बेसन में पाए जाने वाले पोषक तत्व विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स हमारी इम्यूनिटी को मजबूत करते हैं। साथ ही ये हमारे शरीर को अंदर से गर्म रखकर सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद करते हैं। यहां जानिए बेसन की स्वादिष्ट रोटी को कैसे बनाया जा सकता है। इसके और भी फायदे।

सामग्री:
1 कप बेसन का आटा, 1 कप गेहूं का आटा, 1 चुटकी हींग, 14 कप बारीक कटे प्याज, 1 हरी मिर्च कटी हुई, हरा धनिया कटा हुआ, स्वादानुसार नमक, जरूरत के अनुसार पानी

बनाने की विधि:
सबसे पहले बेसन में गेहूं का आटा मिला लें। फिर इसमें नमक, हींग, हरी मिर्च, कटा हुआ प्याज और धनिया मिलाएं। अब पानी के साथ इसे अच्छी तरह गूथ लें और थोड़ी देर के लिए फ्रिज में रख दें। अब इससे लोई बनाकर बेल लें और तवे पर सेक लें। रोटी सेंकने के बाद ऊपर घी लगाएं और चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें। या आप इसे सरसों के साग के साथ खा सकते हैं।

संगीत महाविद्यालय, दुर्ग के छात्र छात्राओं ने किया सिया देवी मंदिर एवं तांडुला जलाशय का भ्रमण

दुर्ग। नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय के छात्रों ने एक यादगार शैक्षिक यात्रा पूरी की, जिसमें सिया देवी मंदिर (बालोद जिला) और तांडुला जलाशय का भ्रमण शामिल था। यह यात्रा न केवल ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की स्थलों से परिचय कराने वाली थी, बल्कि छात्रों के बीच आपसी भाईचारे एवं टीम स्पिरिट को मजबूत करने का भी माध्यम बनी।

प्राचार्य डॉ ऋचा ठाकुर के मार्गदर्शन में यह यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यात्रा के सारथी रहे जगदीश बामनिया, यशवंत साहू, वत्सल तिवारी एवं जीवनंदन वर्मा। डॉ निधि वर्मा, भारती जंघेल सरला साहू, तपन नाथ के कुशल प्रबंधन से पूरी यात्रा सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं आनंदपूर्ण रही।

यात्रा का प्रथम पड़ाव था श्री सिया देवी मंदिर, जो बालोद जिले के नरगांव क्षेत्र में स्थित है। यह प्राचीन मंदिर देवी सीता (सिया देवी) को समर्पित है। स्थानीय लोककथाओं एवं रामायण से जुड़े इतिहास के अनुसार, वनवास के दौरान भगवान राम, लक्ष्मण एवं माता सीता ने दंडकारण्य में इस क्षेत्र में निवास किया था। मंदिर के आसपास की प्राकृतिक सुंदरता, घने जंगल एवं पास ही स्थित प्राकृतिक झरना इसे एक आध्यात्मिक एवं पर्यटन स्थल बनाते हैं। सब ने यहां पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर में संगीतात्मक प्रस्तुति दी, जिसमें विभिन्न रागों एवं लोक गीतों के माध्यम से भक्ति भाव व्यक्त किया गया। यह प्रस्तुति पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों को भी आकर्षित कर पाई।

दोपहर में छात्रों ने तांडुला डैम का भ्रमण किया, जो बालोद जिले में तांडुला एवं सुखा नाला नदियों के संगम पर स्थित है। यह बांध ब्रिटिश काल में 1910 में निर्माण शुरू होकर 1921 में पूर्ण हुआ था। इसका जलाशय क्षेत्र लगभग 827 वर्ग किमी है तथा कुल भंडारण क्षमता 302-312 मिलियन घन मीटर है। यह दुर्ग-भिलाई क्षेत्र को पेयजल एवं भिलाई इस्पात संयंत्र को औद्योगिक जल उपलब्ध कराता है। डैम की शांत जलराशि, हरियाली एवं सूर्यास्त का नजारा देख छात्र मंत्रमुग्ध हो गए। यहां भी छात्रों ने संगीत प्रस्तुति दी, जिससे परिसर में एक सांस्कृतिक उत्सव जैसा माहौल बन गया। यात्रा की सबसे खास बात रही। सीनियर एवं जूनियर छात्रों के बीच का आपसी संबंध और भी गहरा एवं सौहार्दपूर्ण हो गया। सभी ने एक-दूसरे की मदद की, हंसी-मजाक किया और मिलकर यादें सृजित की। यह यात्रा केवल ज्ञानार्जन की नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास एवं टीमवर्क की भी मिसाल बनी।

गुंडरदेही में सुबह का नाश्ता एवं शाम की चाय बेहद स्वादिष्ट एवं ताजगी भरी रही। बालोद में मिला लाजवाब खाना एवं वहां का शानदार सत्कार सभी के दिल को छू गया। स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी ने यात्रा को और भी स्मरणीय बना दिया। प्राचार्य डॉ ऋचा ठाकुर ने कहा, 'ऐसी यात्राएं छात्रों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़ाकर वास्तविक जीवन की सीख देती है। संगीत महाविद्यालय के छात्रों ने न केवल स्थलों का ऐतिहासिक महत्व समझा, बल्कि संगीत के माध्यम से अपनी कला भी प्रस्तुत की।यह यात्रा महाविद्यालय के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण रही और छात्रों के लिए जीवन भर की याद बन गई।

सरकारी अस्पतालों से अब निजी सेंटरों में सीधे नहीं भेजे जा सकेंगे मरीज, आयुष्मान कार्ड स्वीकार न करने वाले अस्पतालों पर होगी बड़ी कार्यवाही

अम्बिकापुर। सरगुजा संभाग में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवायें, डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने संभाग के सभी स्वास्थ्य केंद्रों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेश के मुताबिक, प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों को निजी अस्पतालों में रेफर (Refer) करना अब बंद करना होगा।

रेफरल की निर्धारित प्रक्रिया का पालन अनिवार्य : डॉ. शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि मरीजों को रेफर करने के लिए पहले से ही एक निश्चित श्रृंखला (Chain) निर्धारित है। इसके तहत मरीज को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) से जिला अस्पताल और वहां से मेडिकल कॉलेज भेजा जाना चाहिए। आवश्यक सुविधाएं होने के बावजूद मरीजों को निजी संस्थानों में भेजना नियमों के विरुद्ध है और इस पर रोक लगाई गई है।

अस्पताल परिसर से हटेंगी निजी एम्बुलेंस: आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि कई शासकीय अस्पतालों के बाहर खड़ी निजी एम्बुलेंस के संचालक मरीजों के परिजनों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं, जिससे परिसर में विवाद की स्थिति बनती है। अब यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी सरकारी अस्पताल परिसर के भीतर कोई भी निजी एम्बुलेंस खड़ी न रहे।

आयुष्मान कार्ड से इलाज में आनाकानी करने वाले अस्पतालों पर होगी सख्त कार्यवाही: प्रशासन के संज्ञान में आया है कि कई निजी अस्पताल नर्सिंग होम एक्ट और आयुष्मान योजना के तहत पंजीकृत होने के बावजूद कार्ड के माध्यम से इलाज करने से परहेज कर रहे हैं। डॉ. शुक्ला ने ऐसे निजी चिकित्सा संस्थानों को चिन्हांकित करने और नर्सिंग होम एक्ट-2013 के प्रावधानों के तहत उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

जिले के अधिकारियों को निर्देश: संभागीय संयुक्त संचालक ने संभाग के अधीनस्थ अधिकारियों को इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा है। साथ ही, सभी निजी अस्पतालों की बैठक आयोजित कर उन्हें इन नियमों का पालन करने की सख्त चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

दुर्ग जिला कांग्रेस जिलाध्यक्षों ने किया 'लोकतंत्र प्रहरी' और एसआर हॉस्पिटल का संयुक्त कैलेंडर 2026 का विमोचन

दुर्ग शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष धीरज बाकलीवाल विमोचन करते हुए।

दुर्ग ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर विमोचन करते हुए।

दुर्ग /विशेष संवाददाता। दुर्ग शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और दुर्ग ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने दुर्ग में एक सादगीपूर्ण समारोह में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप और एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज, दुर्ग के संयुक्त वार्षिक कैलेंडर 2026 का विमोचन किया। इस अवसर पर दुर्ग शहर जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और दुर्ग ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने दोनों संस्थाओं द्वारा समाज कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा,मीडिया और स्वास्थ्य सेवाएं समाज के दो मजबूत स्तंभ हैं। लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की निष्पक्ष पत्रकारिता और एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज द्वारा प्रदान की जा रही उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं का यह संयुक्त प्रयास समाज के लिए अनुकरणीय है।÷

ऐसे सहयोग से समाज में जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होता है, जो लोकतंत्र को और मजबूत बनाता है।

कार्यक्रम में दुर्ग शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और दुर्ग ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने दोनों संस्थानों के भविष्य के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। साथ ही, उन्होंने प्रदेशवासियों, लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप और एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज के सभी सदस्यों को नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चेयरमैन श्री संजय तिवारी ने जिलाध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और दुर्ग ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

यह संयुक्त कैलेंडर न केवल समय प्रबंधन का साधन है, बल्कि समाज सेवा, पत्रकारिता और स्वास्थ्य के क्षेत्र में दोनों संस्थाओं की साझेदारी का प्रतीक भी है।

छत्तीसगढ़ के विकास और समाज कल्याण के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहें, यही कामना है।

एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज में क्रिकेट का महासंग्राम

नित्या भव्या 11 ने जीता फाइनल मैच, गीता और आदिला खान बनी 'प्लेयर ऑफ द मैच'

दुर्ग/खेल प्रतिनिधि । एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज द्वारा आयोजित क्रिकेट महासंग्राम के महिला क्रिकेट कप का समापन हो चुका है, जिसमें नित्या भव्या 11 ने रोमांचक फाइनल जीतकर खिताब अपने नाम किया।

बुधवार को महिला क्रिकेट कप में तीसरा स्थान हासिल करने के लिए गोल्डन क्लब और बालाजी 11 के बीच मुकाबला हुआ। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बालाजी 11 ने 10 ओवरों में 72 रन बनाए। जवाब में, गोल्डन क्लब की टीम दबाव में आ गई और महज 45 रन पर आउट हो गई। इस तरह, बालाजी 11 ने यह मैच जीतकर तीसरा स्थान पक्का किया।

इसके बाद, नित्या भव्या 11 और नित्या 11 के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया, जो बेहद रोमांचक रहा। नित्या भव्या 11 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 2 विकेट खोकर 96 रन का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नित्या 11 की टीम ने संघर्ष किया, लेकिन 10 ओवर में 8 विकेट खोकर केवल 83 रन ही बना सकी। नित्या भव्या 11 ने यह फाइनल 13 रनों से जीतकर कप पर कब्जा जमाया।

फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए गीता और आदिला खान (नित्या भव्या 11) को संयुक्त रूप से 'प्लेयर ऑफद मैच' चुना गया।

आयोजकों ने बताया कि क्रिकेट महासंग्राम में विजयी और उप-विजेता टीमों को 26 जनवरी को एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज परिसर में आयोजित एक विशेष समारोह में सम्मानित और पुरस्कृत किया जाएगा। महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया यह आयोजन खेल प्रेमियों के लिए यादगार रहा।

आईसीसीसी के माध्यम से धान खरीदी व्यवस्था की सतत निगरानी

मुंगेली। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत आईसीसीसी रायपुर द्वारा सतर्क एप के माध्यम से राइस मिलों में वाहन क्षमता से अधिक धान परिवहन किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर कलेक्टर कुन्दन कुमार द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए संयुक्त जांच दल का गठन किया गया और पूरी पारदर्शिता के साथ जांच करने के निर्देश दिए गए। संयुक्त जांच दल द्वारा जिले की कुल 13 राइस मिलों की जांच की गई। जांच के दौरान उपलेटा राइस मिल, हाजी राइस मिल, उपलेटा ट्रेडर्स, हाजी परबोइलिंग, एस.एस. फूड्स, नेशनल दाल मिल, नवकार दाल उद्योग, वर्धमान राइस मिल, जैन राइस इंडस्ट्रीज, वर्धमान मिलिंग इंडस्ट्रीज एवं जनता राइस मिल सहित अन्य मिलों में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई, जिसके पश्चात संबंधित सभी 13 राइस मिलों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। साथ ही मिलिंग कार्य पर रोक लगाने हेतु संबंधित मिलर्स की मिल आईडी को ब्लॉक करने एवं शेष उठाव हेतु डी.ओ. निरस्त करने उच्च कार्यालय को पत्र लिखा गया है।कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी में पारदर्शिता जिला प्रशासन के सर्वोच्च प्राथमिकता है। धान खरीदी, भंडारण एवं परिवहन व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शासन के निर्देशानुसार आगे भी सतत निगरानी एवं कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। आईसीसीसी के माध्यम से धान खरीदी व्यवस्था की सतत निगरानी - राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में मिलर्स द्वारा समितियों से धान उठाव का कार्य किया जा रहा है। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए शासन द्वारा आईसीसीसी कमांड सेंटर का गठन किया गया है। इसके तहत धान परिवहन में लगे वाहनों को जीपीएस के माध्यम से ट्रैक किया जा रहा है। समिति से धान उठाव के बाद यदि कोई वाहन अधिक समय तक एक ही स्थान पर रुकता है या मार्ग परिवर्तित करता है अथवा निर्धारित क्षमता से अधिक मात्रा में धान का परिवहन करता है, तो इसकी सूचना कमांड कंट्रोल पोर्टल पर ऑनलाइन प्रदर्शित होती है, जिसकी जांच जिला स्तर पर अधिकारियों द्वारा की जाती है। अवैध धान भंडारण एवं परिवहन को रोकने जिले की सीमाओं एवं चेक पोस्ट पर चैकसी को और मजबूत करते हुए सतत निगरानी रखी जा रही है।

मुंबई क्लाइमेट वीक 2026में यूनिसेफ युवाह की बड़ी भूमिका, बच्चों और युवाओं की आवाज बनेगा मंच

मुंबई। यूनिसेफ 'युवाह' को 'मुंबई क्लाइमेट वीक' 2026 के लिए युवाओं को जोड़ने वाला आधिकारिक पार्टनर बनाया गया है। यह कार्यक्रम 17 से 19 फरवरी 2026 तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। यूनिसेफ इंडिया, 'प्रोजेक्ट मुंबई' और 'युवाह' के साथ मिलकर, जनवरी महीने से ही कई गतिविधियां शुरू कर देगा। इसका मकसद बच्चों और युवाओं को पर्यावरण बचाने की चर्चाओं और फैसलों में शामिल होने और अपनी राय देने का मौका देना है।

मुंबई क्लाइमेट वीक भारत का पहला ऐसा मंच है जो शहर के लोगों की मदद से पर्यावरण की समस्याओं के समाधान खोजेगा। इसका लक्ष्य जलवायु से जुड़ी बड़ी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करना है। यह माना जाता है कि पर्यावरण का संकट बच्चों के अधिकारों से भी जुड़ा है। इसलिए, यूनिसेफ इंडिया, युवाह और प्रोजेक्ट मुंबई मिलकर काम करेंगे ताकि पूरे हफ्ते के दौरान बच्चों और युवाओं के अनुभवों व सुझावों को सुना जाए और उन पर काम किया जाए।

इस अभियान के बारे में बात करते हुए यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री ने कहा, ÷बच्चे और युवा बदलाव लाने की बड़ी ताकत रखते हैं। पर्यावरण को बचाने के समाधानों में बच्चों को सबसे आगे रखकर, हम सरकारों के साथ मिलकर उनके अधिकारों और एक बेहतर व सुरक्षित भविष्य के लिए काम कर रहे हैं। 'मुंबई क्लाइमेट वीक' युवाओं को ई-वेस्ट जैसी चुनौतियों का हल निकालने के लिए एक मंच देता है। इससे पता चलता है कि आज के युवा पर्यावरण को बचाने में कितनी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।÷

मुंबई क्लाइमेट वीक की तैयारी के रूप में, यूनिसेफ 'युवाह' 9 से 16 फरवरी 2026 तक मुंबई के कुछ चुनिंदा कॉलेजों में 'कैंपस क्लाइमेट रोड शो' आयोजित करेगा। इस रोड शो की मुख्य विशेषता ई-वेस्ट से बनी एक खास प्रदर्शनी (इन्स्टालेशन) होगी। इसे शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से 'मिशन लाइफ' के तहत 'विशेष अभियान 5.0' के माध्यम से तैयार किया गया है। यह प्रदर्शनी ई-वेस्ट के निपटान और चीजों के जिम्मेदारी से इस्तेमाल को लेकर युवाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है।

कॉलेज परिसरों में प्रदर्शनी लगाकर, रोडशो का उद्देश्य मुंबई क्लाइमेट वीक के दौरान जलवायु कार्रवाई में छात्रों की भागीदारी को मजबूत करना और परिसर स्तर की सहभागिता को व्यापक नीतिगत और नागरिक चर्चाओं से जोड़ना है।

युवाओं द्वारा किए जा रहे जलवायु समाधानों को और बढ़ावा देने के लिए, यूनिसेफ 'युवाह' 'मुंबई क्लाइमेट वीक 2026' के हिस्से के रूप में 'यूथ ग्रीन इनोवेशन चैलेंज' का समर्थन कर रहा है। यह 16 से 24 उम्र के बदलाव लाने वाले युवाओं के लिए एक राष्ट्रीय मंच है। इस चैलेंज के तहत तीन मुख्य विषयों पर युवाओं से उनके नए विचार आमंत्रित किए गए हैं: खाद्य प्रणाली, शहरों को बेहतर बनाना और ऊर्जा के नए स्रोत। चुने गए युवाओं को मुंबई क्लाइमेट वीक में अपने समाधान प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा। साथ ही, वे विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के साथ बातचीत कर सकेंगे और अपने विचारों को बड़े स्तर पर ले जाने के लिए जरूरी सहयोग के अवसरों को तलाश सकेंगे।

'प्रोजेक्ट मुंबई' के संस्थापक और सीईओ शिशिर जोशी ने कहा, ÷कैंपस रोड शो और यूथ ग्रीन इनोवेशन चैलेंज इस बात की मिसाल हैं कि मुंबई क्लाइमेट वीक (MCW) असल में क्या है–यानी जरूरी चर्चाओं के माध्यम से विचारों को हकीकत में बदलना। इन कार्यक्रमों को कॉलेज के छात्रों तक ले जाकर हम युवा पर्यावरण रक्षकों का एक ऐसा नेटवर्क बना रहे हैं, जो फरवरी के बाद भी इस मुहिम को जारी रखेंगे और इसे अपने समाज व समुदायों तक ले जाएंगे।÷

यूनिसेफ इंडिया अपने स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, WASH और बाल सुरक्षा जैसे सभी कार्यक्रमों में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को जोड़ रहा है। इसमें ऐसे अस्पताल बनाना जो बदलते मौसम को झेल सकें, बढ़ती गर्मी और वायु प्रदूषण से निपटने की योजनाएं तैयार करना, पर्यावरण के अनुकूल बेहतर (क्लाइमेट स्मार्ट) स्कूल बनाना और जल व स्वच्छता की ऐसी सुविधाएं शामिल हैं जो बाढ़ या सूखे में भी सुरक्षित रहें। यूनिसेफ 'मिशन लाइफ' और युवाओं की पर्यावरण संबंधी कोशिशों में भी मदद करता है। उनके 'मेरी लाइफ' प्लेटफॉर्म पर अब तक 3.19 करोड़ से ज्यादा पर्यावरण के हित में किए गए काम दर्ज किए जा चुके हैं। साथ ही, महाराष्ट्र के युवा जुड़ाव और जल संरक्षण कार्यक्रम के जरिए 10 लाख से ज्यादा युवाओं को इस मुहिम से जोड़ा गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) का अनुमान है कि 2030 से 2050 के बीच, जलवायु परिवर्तन के कारण कुपोषण, मलेरिया, डायरिया और भीषण गर्मी की वजह से हर साल 2.5 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। इनमें बच्चों को सबसे अधिक खतरा है। भारत में लगभग हर तीसरा व्यक्ति 14 साल से कम उम्र का है, इसलिए बच्चों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचाना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है।

इस खतरे और बच्चों पर केंद्रित जलवायु कार्यक्रमों की जरूरत को देखते हुए, 'बाल अधिकार सम्मेलन'और इसकी हालिया व्याख्याओं ने यह स्पष्ट किया है कि जलवायु परिवर्तन दरअसल बाल अधिकारों से जुड़ा मुद्दा है। 'मुंबई क्लाइमेट वीक' जलवायु से जुड़े कामों को इन अधिकारों और ष्ट्रक्ष्ख्र30 की प्राथमिकताओं के साथ जोड़ता है। यह इस बात पर जोर देता है कि जलवायु से जुड़े किसी भी बड़े फैसले में बच्चों के अधिकारों को सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com